इंदौर, सोमवार 06 जुलाई 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 214
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

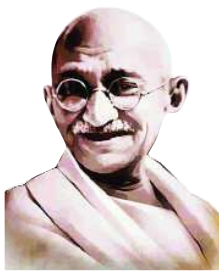

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

खराब मौसम का असर... दो उड़ानों को इंदौर में कराया लैंड

पेज-2

स्मृति प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवार्ड के लिए नॉमिनेट

पेज-5

बंगाल में हमने अष्टांग योग किया- ज्ञानेश कुमार

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- गृह मंत्री अमित शाह आज कोलकाता में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती कार्यक्रम में होंगे शामिल
- उत्तराखंड : बागेश्वर सहित 12 जिलों में ऑरेंज अलर्ट, स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद
- महाराष्ट्र : भारी बारिश और भूस्खलन के चलते पुणे-मुंबई एक्सप्रेसवे पूरी तरह बंद
- अयोध्या : श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक आज, चंपत राय के इस्तीफे पर होगा फैसला
- ऑस्ट्रेलिया ने जीता महिला क्रिकेट विश्व कप, जय शाह ने दी बधाई
- फुटबॉल विश्व कप : ब्राजील को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा नॉर्वे
- वेनेजुएला में भूकंप से मरने वालों की संख्या 3342 पहुंची
- पीएम मोदी का इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दौरा आज से
- बिहार विधानसभा का मानसून सत्र 20 जुलाई से, 24 जुलाई तक चलेगी कार्यवाही
- इस्लामाबाद में पीएएफ अफसर की गोली मारकर हत्या

नामांतरण घोटाले के आरोपी पदों पर जमे, निष्पक्ष जांच के लिए कांग्रेस ने उठाई आवाज

जिस विभाग में जांच, वहीं काम कर रहे दोनों उपायुक्त...

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम में सामने आए डबल नामांतरण घोटाले की जांच शुरू होने के बावजूद आरोपों के घेरे में आए अधिकारी अब भी अपने पदों पर बने हुए हैं। ऐसे में जांच की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। निगम प्रशासन ने मामले में पांच कम्प्यूटर ऑपरेटरों पर कार्रवाई की है, लेकिन जिन अधिकारियों की लॉगिन आईडी का उपयोग कर 354 संपत्तियों में कथित रूप से डबल नामांतरण किए गए, उनके खिलाफ अब तक कोई प्रशासनिक कार्रवाई नहीं हुई है।

एक ही समय में खुले 354 डबल खाते जानकारी के अनुसार दो उपायुक्तों की आईडी के माध्यम से एक ही समय में 354 संपत्तियों के डबल खाते खोले गए। यह पूरा काम एक ही कम्प्यूटर ऑपरेटर द्वारा किए जाने की बात सामने आई है। मामले में उपायुक्त एस. के. सगर और प्रदीप जैन की आईडी का इस्तेमाल होने की जानकारी सामने आने के बाद निगम आयुक्त ने जांच समिति गठित कर दी, लेकिन दोनों अधिकारियों को अब तक राजस्व विभाग के प्रभार से नहीं हटाया गया है। यही कारण है कि पूरे मामले में निष्पक्ष जांच को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

जांच के दौरान साक्ष्य प्रभावित होने की आशंका-नगर निगम के भीतर भी चर्चा है कि जिन अधिकारियों की भूमिका की जांच की जा रही है, उनके उसी विभाग में बने रहने से जांच प्रभावित हो सकती है। विपक्ष का कहना है कि यदि आरोपित अधिकारी अपने पद पर बने रहेंगे तो दस्तावेजों और रिकॉर्ड पर भी असर पड़ सकता है। ऐसे में जांच की पारदर्शिता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

भोपाल से मंगाई गई तकनीकी जानकारी नगर निगम के राजस्व अपर आयुक्त आकाश सिह ने बताया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर यदि अन्य अधिकारियों या कर्मचारियों की भूमिका सामने आती है तो उनके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिन संपत्तियों में गड़बड़ी हुई है, उनमें पुराने रिकॉर्ड बहाल करने और सत्यापन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

नेता प्रतिपक्ष ने उठाए सवाल, की जाए निष्पक्ष जांच

नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट ने कहा कि एक ही रात में 354 खातों में डबल नामांतरण होना सामान्य प्रक्रिया नहीं हो सकती। इसकी जिम्मेदारी केवल कम्प्यूटर ऑपरेटरों पर डालना उचित नहीं है। पूरे मामले में वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच होना जरूरी है। यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस निगम आयुक्त और महापौर कार्यालय का घेराव करेगी।

कराया जा रहा सत्यापन

निगम प्रशासन ने जिन संपतियों में हेराफेरी की गई थी, उनमें पुराने खातेदारों के नाम बहाल करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। संबंधित संपत्तिधारकों को बुलाकर दस्तावेजों का सत्यापन कराया जा रहा है। इसके लिए संबंधित एआरओ को जिम्मेदारी सौंपी गई है। अब सभी की निगाहें जांच समितिकी रिपोर्ट व निगमायुक्त द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पर टिकी हैं।

आईडीए से स्कीम 171 की फिर मुक्ति की मांग, दो साल से 5.84 करोड़ भी जमा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) की स्कीम 171 की मुक्ति के लिए एक बार फिर रहवासी विरोध के लिए उतरे हैं। इस बार कॉलोनी में पोस्टर लगाए गए हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव की घोषणा के बाद भी मामला अटका है। इंदौर की स्कीम 171 से मुक्ति के लिए करीब दर्जनभर गृह निर्माण सोसायटियों के हजारों प्लॉटधारक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। यह इंतजार करीब 20 साल पुराना हो चुका है। आईडीए से उनकी लड़ाई तो साल 1993 से ही चली आ रही है।

रहवासियों का कहना है कि मध्य प्रदेश शासन के नियमों के तहत वे विकास शुल्क के रूप में 5.89 करोड़ रुपए अक्टूबर 2024 में जमा कर चुके हैं। इसके बाद भी उन्हें स्कीम से राहत नहीं मिली है। अब अपनी मांग को लेकर रहवासियों ने कॉलोनी में पोस्टर लगाकर विरोध शुरू किया है।

रहवासियों ने पोस्टर लगाए हैं और कहा है कि हे राम- इंतजार के 20 साल, हमारा कसूर क्या है।

निर्माण की अनुमति कब मिलेगी।

साल 1993 में आईडीए ने 13 सोसायटियों की जमीन और आसपास की सरकारी व अन्य जमीन को मिलाकर स्कीम 132 शुरू की थी। इस स्कीम का विरोध हुआ और बाद में हाईकोर्ट ने 2007 में इसे लैप्स कर दिया। इसके बाद आईडीए ने 2009 में इसी इलाके में नई स्कीम 171 ला दी। प्लॉटधारकों की परेशानी यहीं से और बढ़ गई। उन्हें न तो मुआवजा मिला और न ही स्कीम पर कोई काम आगे बढ़ा। स्कीम अटक गई और इसके चलते प्लॉटधारकों को भवन निर्माण की अनुमति भी नहीं मिल पाई।

इसी बीच भू-माफियाओं ने भी जमीनों पर कब्जे का खेल शुरू कर दिया। तत्कालीन कलेक्टर मनीष सिंह के समय कई कब्जे हटवाए गए और भू-माफियाओं को खदेड़ा गया। बाद में सरकार ने फैसला लिया कि जिन स्कीमों में 10 फीसदी से कम विकास हुआ है, वहां विकास शुल्क लेकर स्कीम को मुक्त किया जा सकता है। जुलाई 2021 में आईडीए ने इस संबंध में प्रस्ताव पास किया। विकास शुल्क की गणना 5.84 करोड़ रुपए हुई। अक्टूबर 2024 में यह राशि जमा भी करा दी गई। इसके बाद भी अब तक स्कीम को मुक्त नहीं किया गया है।

सीएम बोलकर गए समस्या दूर करेंगे

हाल ही में सीएम डॉ. मोहन यादव 20 जून को इंदौर दौरे पर आए थे। इस दौरान विधायक महेंद्र हार्डिया ने मंच से उनके सामने आईडीए स्कीम 171 का मुद्दा उठाया था। इस पर सीएम ने भरोसा दिलाया कि रहवासियों को जल्द ही आईडीए की इस स्कीम (इंदौर स्कीम 171 केस) से राहत मिलेगी।

लेकिन अभी आईडीए में कोई हलचल नहीं

सीएम के आश्वासन के बाद भी आईडीए में अब तक कोई खास हलचल नहीं दिखी है। करीब 15 दिन बीत चुके हैं, लेकिन इस मुद्दे पर न कोई बैठक हुई और न ही कोई चर्चा आगे बढ़ी। इसी वजह से रहवासी फिर नाराज हैं। उनका कहना है कि आखिर उन्हें और कितना इंतजार करना पड़ेगा।

रिंगरोड पर रोबोट चौराहे पर बनेगा फ्लायओवर, डिजाइन तैयार

- रेडिसन चौराहे पर मेट्रो कॉरिडोर टर्निंग के कारण अंडरपास बनाने का विचार
- जल्द ही जारी होंगे टेंडर, जाम से लोगों को मिलेगी निजात

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● रिंगरोड पर ओवरब्रिज की कड़ी में अगला नंबर अब रोबोट चौराहे का है। पिछले दिनों तुलसी नगर-निपानिया सडक के लोकार्पण अवसर पर आए मुख्यमंत्री ने रोबोट चौराहा पर भी फ्लायओवर निर्मित करने की घोषणा की। वहीं आईडीए ने भी इसके निर्माण की तैयारी शुरू कर दी है। ड्राइंग डिजाइन के बाद अब टेंडर जारी किए जाएंगे। गौरतलब है कि पिपलियाहाना उसके बाद बंगाली और फिर खजराना चौराहा पर बने फ्लायओवरों के कारण रिंग रोड के इस हिस्से में तो आवागमन सुगम हो गया, मगर खजराना के बाद रोबोट और फिर रेडिसन चौराहा पर सर्वाधिक जाम की स्थिति दिनभर ही रहती है। सुबह और शाम को भीषण जाम लग जाता है।

कई बार तो तीन से चार बार सिग्रल टाइमिंग चेंज होने के कारण इंतजार करना पड़ता है।

इसीलिए यहां भी फ्लायओवर बनाने की योजना है। आईडीए सूत्रों के अनुसार रोबोट चौराहे पर बनने वाला फ्लायओवर की प्रारंभिक रूप से अनुमानित लागत लगभग 60 करोड़ रुपए है, यह खजराना चौराहा पर बनाए गए दो अलग-अलग लेन की तरह होगा। इसकी लम्बाई लगभग 500 मीटर रहेगी और दोनों तरफ अलग-अलग जो भुजाएं बनेंगी उनमें 12-12 मीटर की दो-दो लेन रहेंगी और बीच में से मेट्रो ट्रेन गुजरेगी।

मेट्रो पिलर बन रहे बाधा

इसी के साथ प्राधिकरण रेडिसन चौराहा पर अंडरपास की संभावना तलाश रहा है, इसके लिए यहां सर्वे चल रहा है। हालांकि मेट्रो के पिलर और पाइल कैप की बाधा सामने आ रही है। अधिकारियों को भरोसा है कि जल्द ही इसका तोड़ विशेषज्ञ निकाल लेंगे। प्राधिकरण सीईओ डॉ. परीक्षित झाड़े के मुताबिक रोबोट चौराहा पर निर्मित किए जाने वाले फ्लायओवर की ड्राइंग डिजाइन लगभग तैयार हो गई है और अगली बोर्ड बैठक में इस पर चर्चा की जाएगी और टेंडर भी जारी होंगे।

झमाझम : 23 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। मौसम विभाग ने सोमवार को प्रदेश के 23 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें सागर, दमोह, बैतूल, देवास, आलीराजपुर, उमरिया, सिवनी, छिंदवाड़ा और अनूपपुर में अति भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

वहीं, रतलाम, उज्जैन, धार, शाजापुर, सीहोर, विदिशा, गुना, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, जबलपुर, मंडला, बालाघाट, डिंडौरी और पन्ना में भी तेज बारिश होने की संभावना जताई गई है। प्रदेश के अन्य जिलों भोपाल, ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, शिवपुरी, टीकमगढ़, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, मंदसौर, नीमच, झाबुआ, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, राजगढ़ और आगर-मालवा में भी कई स्थानों पर हल्की से तेज बारिश का दौर जारी रह सकता है।

रविवार को प्रदेश के 25 से अधिक जिलों में बारिश दर्ज की गई। सीहोर में दिन के समय घने बादलों के कारण अंधेरे जैसे हालात बन गए, जबकि शाजापुर में 28 मिमी बारिश के बाद कालीसिंध नदी उफान पर पहुंच गई। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को सबसे अधिक बारिश छिंदवाड़ा में दर्ज की गई, जहां ढाई इंच से ज्यादा पानी बरसा। इसके अलावा सिवनी, उज्जैन, श्योपुर, टीकमगढ़, ग्वालियर, दतिया, गुना, इंदौर, राजगढ़, जबलपुर, मंडला, नरसिंहपुर, रीवा, सागर, सीधी, बालाघाट, शाजापुर, भिंड, विदिशा, सीहोर, मंदसौर और पांढुर्णा में भी बारिश का दौर बना रहा।

भाजपा ने बनाई माइक्रो प्लानिंग, कार्यकर्ताओं को साधने में लगी कांग्रेस

- दतिया उप चुनाव- जातीय गणित बैठाने में जुटीं बीजेपी-कांग्रेस, ओबीसी वोट निर्णायक, 60 हजार सामान्य व 53 हजार दलित वोट करेंगे चुनाव का फैसला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● दतिया विधानसभा उप चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही भाजपा और कांग्रेस पूरी ताकत से तैयारियों में जुट गई हैं। भाजपा इस चुनाव में बूथस्तर तक की माइक्रो प्लानिंग कर रही है तो कांग्रेस ने अपने कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के लिए अभी से कार्यकर्ता सम्मेलन शुरू कर दिए हैं। दतिया में 30 जुलाई को वोटिंग होना है और परिणाम 3 अगस्त हो आएंगे।

दतिया उपचुनाव भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है। डेढ़ साल पहले विजयपुर उपचुनाव में हार का सामना करने वाली पार्टी इस चुनाव को लेकर किसी तरह का रिस्क नहीं लेना चाहती, हालांकि यहां परिस्थितियां विजयपुर जैसी नहीं है उसके बाद भी पार्टी यहां पूरी ताकत से लग गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल अभी अपने पुत्र के विवाह समारोह में व्यस्त हैं। 7 उनके राजधानी आते ही प्रदेश कार्यालय में आला नेताओं की बैठक होगी। इसमें चुनाव की पूरी व्यूह रचना तैयार की जाएगी। दतिया सीट लगातार 15 साल तक भाजपा का गढ़ रही है पर पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के राजेन्द्र भारती ने भाजपा के सीनियर नेता और पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा को यहां से पराजित कर दिया था। न्यायालय से एक मामले में दोषी पाए जाने पर भारती की सदस्यता समाप्त कर दी गई और उसके कारण यहां उपचुनाव हो रहे हैं। भाजपा की ओर से नरोत्तम मिश्रा का एक बार फिर मैदान में उतरना तय है वहीं कांग्रेस में टिकट को लेकर तीन से चार दावेदार सक्रिय हैं। इसमें सबसे प्रमुख नाम राजेन्द्र भारती के पुत्र अनुज भारती का है। राजेन्द्र भारती कुछ दिनों पहले अपने पुत्र को लेकर राहुल गांधी से भी मिले थे। उनके चुनाव लड़ने पर रोक है लिहाजा वे अपनी जगह पुत्र को मैदान में उतारना चाहते हैं। वहीं भाजपा से कुछ साल पहले कांग्रेस में आए अवधेश नायक भी टिकट मांग रहे हैं। अवधेश को पिछली बार टिकट मिल गया था पर भारती समर्थकों के विरोध के चलते बाद में उनकी जगह भारती को उम्मीदवार बनाया गया था। यही वजह है कि नायक अब अपने त्याग की कीमत चाहते हैं। तीसरे दावेदार के रूप में पूर्व विधायक घनश्याम सिंह का नाम चल रहा है। उपचुनाव का बिगुल बजते ही कांग्रेस सक्रिय हो गई है।

नायब तहसीलदार की कोटवार की दादागिरी

रास्ता दो नहीं तो नौकरी से धो बैठोगे हाथ

- कलेक्टर पहुंचा देपालपुर का मामला, कोटवार ने रोया प्रताड़ना का दुखड़ा

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

सरकारी महकमों में साहब लोगों की 'रौब झाड़ने' की आदत नई नहीं है, लेकिन देपालपुर तहसील से जो मामला सामने आया है, उसने प्रशासनिक गलियारों में हलचल मचा दी है। मामला एक नायब तहसीलदार साहब के कथित तुगलकी फरमान से जुड़ा है, जिसमें एक गरीब कोटवार को अपनी ही शासकीय सेवा भूमि से रास्ता देने के लिए मजबूर किया जा रहा है। बात न मानने पर सीधे नौकरी से पत्ता साफ करने की धमकी तक दे डाली गई!

नियम' गए तेल लेने, साहब का 'मौखिक आदेश' ही कानून-दरसल मामला देपालपुर तहसील के ग्राम नौगांवा खंजर के कोटवार समरथ ने इंदौर कलेक्टर के दरबार में गुहार लगाते हुए एक लिखित में शिकायत पत्र दिया। जिसमे कोटवार का आरोप है कि देपालपुर के नायब तहसीलदार कुलदीप सिंह की नजर उसकी शासकीय कोटवार सेवा भूमि (खसरा नंबर 144/1) पर पड़ गई। साहब ने बिना किसी कागजी कार्रवाई के सीधे मौखिक आदेश दाग दिया किइस जमीन से रास्ता निकालो।अब गरीब कोटवार ठहरा नियम-कायदे से चलने वाला। उसने जब हाथ जोड़कर रास्ता न निकालने की मिन्नतें कीं, तो साहब का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। शिकायत के मुताबिक, तहसीलदार साहब ने सीधे अपनी पावर का ट्रेलर दिखाते हुए कहा अगर मेरा आदेश नहीं माना तो पद से हटा दूंगा!

नायब तहसीलदार कुलदीप सिंह के पास देपालपुर और गौतमपुरा का प्रभार है। विश्वसनीय सूत्रों से पता चला कि कुलदीप सिंह ने कई भाजपा नेताओं से जमीनी कामकाज के लिए मोटी रकम ली है। बिना लेनदेन से साहब के यहां फाइल आगे नहीं बढ़ती। इतना ही नहीं इनके पास गौतमपुरा के भाजपा नेता की फाइल पड़ी है, जो पिछले 6 महीने से आगे नहीं बढ़ी यहां भी साहब लिफाफे का इंतजार कर रहे हैं ऐसे कहीं मामले और सामने आने वाले हैं।

ड्यूटी से भगाया, अब न्याय की आस

कोटवार समरथ का दर्द है कि सिर्फ रास्ता न देने की जिद के कारण साहब अब द्वेषता पर उतर आए हैं। उसे न सिर्फ मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है, बल्कि जबरन ड्यूटी से घर भगाया जा रहा है। ऊपर से कुछ रसूखदार लोग भी कोटवार पर चौतरफा दबाव बना रहे हैं। थक-हारकर कोटवार ने मंगलवार को कलेक्टर की शरण ली है। अब देखना यह है कि बड़ी-बड़ी बातें करने वाला प्रशासन अपने ही एक छोटे कर्मचारी को इस साहबगीरी से बचा पाता है या मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है!

नायब तहसीलदार कुलदीप सिंह

पीड़ित कोटवार समरथ

न्यूज ब्रीफ

फ्लिपकार्ट की गोट सेल का तीसरा एडिशन शुरू;

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत के होमग्रोन ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस, फ्लिपकार्ट ने अपनी गोट सेल का तीसरा संस्करण शुरू कर दिया है। यह सेल 4 जुलाई से शुरू हुई है। फ्लिपकार्ट प्लस और ब्लैक मेंबर्स को इसकी अरली एक्सेस 3 जुलाई से मिल गई। इस सेल में ग्राहकों को विभिन्न श्रेणियों में टॉप ब्रांड्स पर सबसे बड़े ऑफर मिल रहे हैं। यह सेल अंग्रेजी के शब्द गोट –''ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाईम'' से प्रेरित है। इसमें जेन जी की दुनिया पर आधारित ह्यूमर, मीम्स और ऑफबीट स्टोरीटैलिंग पेश की गई है। यह कैम्पेन गोट के मैस्कट पर आधारित है। इसमें बफैलो को एक डॉन सर के रूप में पेश किया गया है।

1 करोड़ 6 लाख से अधिक बच्चों को पिलाई पोलियो वैक्सीन की खुराक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रदेश में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का सफल संचालन 28 से 30 जून तक किया गया। अभियान के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल 1 करोड़ 6 लाख 51 हजार 737 बच्चों को पोलियो वैक्सीन की खुराक पिलाई गई। अभियान के सफल संचालन में प्रदेश के समस्त जिलों द्वारा उत्कृष्ट समन्वय, प्रभावी सूक्ष्म योजना, सुदृढ़ मॉनिटरिंग एवं व्यापक जनजागरूकता गतिविधियों के माध्यम से उल्लेखनीय योगदान दिया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक पात्र बच्चे तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए बूथ स्तर से लेकर घर-घर भ्रमण तक व्यापक व्यवस्थाएं की गईं। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की सफलता पोलियो उन्मूलन के प्रति प्रदेश की दृढ़ प्रतिबद्धता, स्वास्थ्य कर्मियों के समर्पण तथा जनसहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 सितम्बर को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कार्यपालक अध्यक्ष राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार आगामी 12 सितम्बर 2026 को समस्त न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा एवं प्रशासनिक न्यायाधिपति सुबोध अभ्यंकर, के निर्देशन में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में 12 सितम्बर 2026 (शनिवार) को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है । समस्त पक्षकारों एवं अधिवक्तागण से अनुरोध है कि उपरोक्तानुसार मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर में लंबित प्रकरणों को नेशनल लोक अदालत के माध्यम से सुलह एवं समझौते के आधार पर निराकृत कराने हेतु मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ इंदौर में प्रिंसिपल रजिस्ट्रार, ओ.एस.डी/रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रार (एम), संबंधित सेक्शन एवं विधिक सहायता अधिकारी, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इंदौर से संपर्क कर अपने प्रकरणों को नेशनल लोक अदालत में रखने हेतु आवेदन/सूचना दे सकते है।

मुख्यमंत्री ने पंडवानी गायिका तीजन बाई के निधन पर किया दुःख व्यक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रख्यात पंडवानी गायिका तीजन बाई के निधन दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा है कि अद्वितीय प्रतिभा की धनी तीजन बाई ने अपनी कला और ओजस्वी प्रस्तुतियों के माध्यम से लोक परंपराओं का संरक्षण किया। उन्होंने भारतीय संस्कृति और पंडवानी गायन को वैश्विक पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाई। कला जगत में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिवंगत तीजनबाई की आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने और शोकाकुल परिजन तथा प्रशंसकों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

भाजपा नेताओं ने विजय नगर स्थित डॉ. मुखर्जी प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

जहाँ हुए बलिदान मुखर्जी वो कश्मीर हमारा है जो कश्मीर हमारा है - वो सारा का सारा है

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं प्रखर राष्ट्रवादी विचारक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती पर आज विजय नगर स्थित उनकी प्रतिमा पर भाजपा नेताओं ने माल्यार्पण कर उनके कार्यों को याद किया। मंत्री तुलसीराम सिलावट, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, पूर्व महापौर कृष्णमुरारी मोघे, विधायक रमेश मेंदोला, सुदर्शन गुप्ता ने माल्यार्पण किया ।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि मुखर्जी अगर नहीं होते तो आज का पश्चिम बंगाल भारत में नहीं होता। डॉ. मुखर्जी की सूझबूझ और दूरदृष्टि से बंगाल भारत में है। उन्होंने बंगाल के विभाजन सहित राष्ट्रविरोधी षड्यंत्रों के खिलाफ निर्णायक संघर्ष किया। स्वतंत्रता के बाद उन्होंने केंद्र सरकार में उद्योग, आपूर्ति एवं अन्य महत्वपूर्ण दायित्व निभाए, लेकिन राष्ट्रहित के मुद्दों पर कभी समझौता नहीं किया। देश की रियासतों के विलय के समय डॉ. मुखर्जी ने स्पष्ट कहा था कि एक देश में दो विधान, दो निशान और दो प्रधान नहीं चल सकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने धारा 370 हटाकर देश को एक सूत्र में पिरोने का काम किया। उन्होंने कहा कार्यकर्ता राष्ट्र सर्वोपरि, विचारधारा सर्वोपरि और संगठन सर्वोपरि के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का कार्य करें।

खराब मौसम का असर... दो उड़ानों को इंदौर में कराया लैंड

एयर इंडिया और इंडिगो के विमानों में 243 यात्री थे सवार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देश के विभिन्न हिस्सों में खराब मौसम का असर रविवार को हवाई सेवाओं पर भी देखने को मिला। दिल्ली और मुंबई में प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण दो विमानों को उनके निर्धारित गंतव्य के बजाय देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट, इंदौर पर डायवर्ट करना पड़ा। दोनों उड़ानों में कुल 243 यात्री सवार थे। करीब दो घंटे के इंतजार के बाद विमान रवाना हो पाए

एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई-2963, जो दिल्ली से मुंबई जा रही थी, दिल्ली में खराब मौसम के कारण अपने निर्धारित मार्ग पर आगे नहीं बढ़ सकी। इसके बाद विमान को सुबह 11:10 बजे इंदौर एयरपोर्ट पर उतारा गया। इस विमान में 105 यात्री और एक शिशु सवार थे। एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार...

यात्रियों को टर्मिनल पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

इसी तरह इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई-662, जो कोच्चि से मुंबई जा रही थी, उसे भी मुंबई में खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण इंदौर डायवर्ट किया गया। यह विमान सुबह 11:08 बजे इंदौर एयरपोर्ट पहुंचा। विमान में 137 यात्री सवार थे। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक... दोनों विमानों की सुरक्षित लैंडिग कराई गई और यात्रियों की सुविधा के लिए एयरलाइंस की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। मौसम में सुधार और संबंधित एयर ट्रैफिक कंट्रोल से अनुमति मिलने के बाद दोनों उड़ानों को करीब एक बजे उनके मूल गंतव्य के लिए रवाना किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मानसून के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में लगातार बदल रहे मौसम के कारण उड़ानों के संचालन पर असर पड़ रहा है। ऐसे में एयरलाइंस यात्रियों को यात्रा से पहले अपनी उड़ानों की स्थिति की जानकारी लेने की सलाह भी दे रही है।

मुख्यमंत्री आज करेंगे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क सतगढ़ी का भूमि-पूजन एवं शिलान्यास

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश को देश का अग्रणी औद्योगिक एवं निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिये औद्योगिक अधोसंरचना के विस्तार, निवेश-अनुकूल वातावरण के निर्माण और रोजगार सृजन को गति देने के उद्देश्य से निरंतर प्रभावी पहल की जा रही हैं। मुख्यमंत्री राजधानी भोपाल को आधुनिक औद्योगिक पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज सतगढ़ी में विकसित किए जा रहे 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क' का भूमि-पूजन एवं शिलान्यास करेंगे। राष्ट्रवादी चिंतक एवं भारत के प्रथम उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री डॉ. मुखर्जी की जयंती पर आयोजित यह कार्यक्रम प्रदेश की औद्योगिक विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव होगा। कार्यक्रम में देश और प्रदेश के लगभग 200 से अधिक प्रमुख उद्योगपति, निवेशक और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

रेलवे अधिकारियों की बैठक हुई

रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट क्यों अटका वजह सामने आई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रेलवे अधिकारियों की एक बैठक रेलवे स्टेशन रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट को लेकर हुई। रेलवे अधिकारी के मुताबिक बैठक में इस प्रोजेक्ट के अटकने की कई वजह सामने आई। बताते हैं ठेकेदार एजेंसी भी इतने समय प्रोजेक्ट की डिजाइन तक फाइनल नहीं कर पाई। नतीजा यह हुआ कि मात्र आठ फीसदी काम हो गया, जबकि तय शेड्यूल के हिसाब से इस अवधि में कम से कम 35 फीसदी काम पूरा हो जाना चाहिए था। अब सिंहस्थ 2028 से पहले पूरा होने वाला प्रोजेक्ट चार साल पीछे चला गया है। रेलवे ने 24 दिसंबर 2024 को अहमदाबाद की कंपनी को ठेका दिया था। निर्माण अप्रैल 2025 में शुरू हुआ। रेलवे अधिकारियों और

नोटिस तो जारी किए-रेलवे ने धीमी प्रगति पर निर्माण एजेंसी को कई बार नोटिस दिए। समीक्षा बैठकों में काम तेज करने के निर्देश भी दिए पर एजेंसी के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं की गई। जानकारों का कहना है कि स्टेशन की डिजाइन ही अब तक पूरी नहीं बनी सकी है। सिर्फ एजेंसी मुख्य रूप से पार्सल कार्यालय हटाने और खुदाई जैसे शुरुआती कार्य ही कर पाई है। रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट अटकने की कई वजहें सामने आई।

एजेंसी के बीच लगातार बैठकें होती रहीं, नोटिस भी जारी हुए, पर काम की रफ्तार नहीं बढ़ी। इस संबंध में डीआरएम अश्वनी कुमार ने कहा, सिंहस्थ तक रिडेवलपमेंट पूरा होना संभव नहीं था क्योंकि विस्तार के लिए पर्याप्त जगह चाहिए।

इंदौर में अधूरी इंदौर-उज्जैन सड़क बनी हादसे की वजह, गिर रहे वाहन चालक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में बारिश के बाद लवकुश चौराहे से अरविंदो तक जाने वाली सड़क वाहन चालकों के लिए मुसीबत बन गई है। सड़क पर फैली गिट्टी, कीचड़ और जगह-जगह बने गड्ढों के कारण दोपहिया वाहन लगातार फिसल रहे हैं। शनिवार को इसी मार्ग से एक्टिवा पर गुजर रहे पिता-पुत्री कीचड़ में फिसलकर सड़क पर गिर पड़े। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी ने मदद करते हुए दोनों को उठाया और वाहन संभालने में सहयोग किया।

दिनभर में इस तरह के कई हादसे इस सड़क पर हो रहे हैं, लेकिन निर्माण एजेंसी सड़क को

जल्द ठीक नहीं कर पा रही है।लवकुश चौराहे पर ब्रिज बनने के कारण सड़क का अधिकांश हिस्सा खराब हो चुका है। अब उस सड़क का भी निर्माण किया जा रहा है, लेकिन जिन हिस्सों को वाहनों के लिए खोला गया है, वे ही हादसों की वजह बन रहे हैं।

बारिश के पानी और कीचड़ से भरी सड़क पर कई वाहन चालक संतुलन खोते नजर आए। कुछ लोग कीचड़ से बचने के लिए सड़क किनारे बने फुटपाथ की ओर निकलने लगे, लेकिन वहां भी उबड़-खाबड़ रास्ता उनकी परेशानी बढ़ा रहा है।

मेडतवाल पब्लिक स्कूल की विधि चौहान मध्य प्रदेश योग टीम में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश योगा एसोसिएशन द्वारा WYSF इंडिया योग स्पोर्ट्स फेडरेशन के तत्वाधान में दिनांक 10 से 12 जुलाई तक मंदसौर में आयोजित 11वीं नेशनल योग स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में मेडतवाल पब्लिक स्कूल की विधि चौहान मध्य प्रदेश राज्य योग स्पोर्ट्स टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। इंदौर में आयोजित 43वीं मध्य प्रदेश राज्य योग स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में इंदौर जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए सब जूनियर आयु वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त कर मध्य प्रदेश टीम में जगह बनाई। इस सफलता पर डायरेक्टर अनिल गुप्ता, प्राचार्य श्रीमती प्रीति गुप्ता, प्रशिक्षक ईश्वर सिंह चौहान एवं समस्त स्टाफ ने बधाई दी।

बढ़ता प्रदूषण फेफड़ों के लिए सबसे बड़ा खतरा नई तकनीकों से इलाज की बढ़ी उम्मीद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में आयोजित चौथी ब्रोंकोपल्मोनरी वर्ल्ड कांग्रेस 2026 का समापन रविवार को हुआ। यह केवल एक वैज्ञानिक सम्मेलन नहीं रही, बल्कि यह तेजी से बिगड़ते पर्यावरण और उससे पैदा हो रहे श्वसन रोगों को लेकर गंभीर चेतावनी भी साबित हुई। दो दिनों तक ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में देश-विदेश के विशेषज्ञों की चर्चाओं का सबसे प्रमुख निष्कर्ष यही रहा कि यदि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में सांस संबंधी बीमारियां भारत के लिए सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बन सकती हैं। आधुनिक चिकित्सा तकनीकें मरीजों को नई जिंदगी देने में सक्षम हो रही हैं, लेकिन यदि प्रदूषण की रफ्तार नहीं थमी तो इलाज से अधिक जरूरत बचाव की होगी।

क्रसुला फार्मास्युटिकल्स ने देवगुराडिया में 'पल्लव आरोग्य वन' का किया निर्माण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पर्यावरण संरक्षण और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, देश की अग्रणी दवा निर्माता कंपनी क्रसुला फार्मास्युटिकल्स ने आज देवगुराडिया क्षेत्र में एक वृहद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल में आरोग्य भारती और गो वॉव संस्था ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई। 'नवजीवन, विकास और सतत भविष्य का संकल्प' थीम के तहत आयोजित इस अभियान में क्रसुला के अधिकारियों, कर्मचारियों और शहर के डॉक्टर्स ने हिस्सा लिया। इस अभियान के अंतर्गत देवगुराडिया की पहाड़ी के एक हिस्से में 'पल्लव आरोग्य वन' की स्थापना की गई, जहां पूरी टीम ने मिलकर 500 से अधिक औषधीय और छायादार पौधे रोपे।

समय रहते अगर हो जाए लक्षणों की पहचान; तो कैंसर जैसे रोगों का उपचार भी संभव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में शनिवार से चौथी ब्रोंकोपल्मोनरी वर्ल्ड कांग्रेस 2026 की मुख्य कॉन्फ्रेंस की शुरुआत हुई। कॉन्फ्रेंस में देश और विदेश से आए पल्मोनोलॉजिस्ट, क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ, थोरासिक सर्जन, मेडिकल रिसर्चर और युवा चिकित्सक शामिल हुए। पहले दिन फेफड़ों की बीमारियों के आधुनिक उपचार, नई रिसर्च और उन्नत तकनीकों पर विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए। कॉन्फ्रेंस में 700 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया है।

पहले दिन पल्मोनरी मेडिसिन, इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी, क्रिटिकल केयर, स्लीप मेडिसिन, पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन, थोरासिक सर्जरी और रेस्पिरेटरी रिसर्च जैसे विषयों पर साइंटिफिक सेशंस आयोजित किए गए। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने फेफड़ों की जटिल बीमारियों के निदान और उपचार में हो रहे नए बदलाव, आधुनिक तकनीक और क्लिनिकल अनुभव प्रतिभागियों के साथ साझा किए।

केयर सीएचएल हॉस्पिटल्स में चिकित्सकों का सम्मान, प्रतिभाओं का भी हुआ प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डॉक्टरों के समर्पण, सेवा भावना और मरीजों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को सम्मान देने के उद्देश्य से केयर सीएचएल हॉस्पिटल्स में राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर अस्पताल के सभी विभागों के चिकित्सकों का सम्मान किया गया तथा उनके उत्कृष्ट योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सकों ने चिकित्सा क्षेत्र से इतर अपनी रचनात्मक प्रतिभाओं का भी शानदार प्रदर्शन किया। आयोजित टैलेंट शोकेस में डॉक्टरों ने गायन, कविता पाठ, संगीत सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह, सौहार्द और पारिवारिक वातावरण देखने को मिला, जिससे सभी चिकित्सकों को एक साथ यादगार पल बिताने का अवसर प्राप्त हुआ।

भायुमो मंडल अध्यक्ष राठौर का जन्मदिन मनाया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा, महाराणा प्रताप मंडल के अध्यक्ष मयंक दीप राठौर का जन्मदिन हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं, समाजजनों व शुभचिंतकों ने उनका पुष्पमालाओं से स्वागत कर जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

देपालपुर पुलिस ने निकाली साइबर जागरूकता रैली

बस स्टैंड और चौराहों पर दी 'सेफ क्लिक 2.0' की जानकारी

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● **दैनिक इंदौर संकेत**

प्रदेश स्तर पर चलाए जा रहे विशेष साइबर जागरूकता अभियान 'सेफ क्लिक 2.0' के तहत देपालपुर पुलिस इन दिनों पूरी तरह एक्शन मोड में है। 24 जून से 8 जुलाई तक चलने वाले इस पखवाड़े के तहत देपालपुर पुलिस टीम आम जनता को डिजिटल ठगी से बचाने के लिए लगातार जमीनी स्तर पर प्रयास कर रही है।

इसी कड़ी में देपालपुर SDOP संघप्रिय सम्राट थाना प्रभारी रणजीत सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल ने नगर के विभिन्न क्षेत्रों में एक विशेष जागरूकता रैली निकाली। यह रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए बस स्टैंड और चमन चौराहा सहित अन्य व्यस्ततम इलाकों तक पहुँची, जहाँ पुलिस अधिकारियों ने सीधे आम आदमी से संवाद किया।

स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर दी जा रही जानकारी-थाना प्रभारी रणजीत सिंह ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस की टीमें न केवल सार्वजनिक चौराहों पर, बल्कि

स्थानीय स्कूलों में भी पहुँच रही हैं। वहाँ विद्यार्थियों और युवाओं को साइबर क्राइम से बचने के तरीके और जरूरी सावधानियों के बारे में विस्तार से समझाया जा रहा है। जगरूकता अभियान आम आदमी के बिच देपालपुर पुलिस थाने से सबस्पेक्टर रवि सिंह सगर, अनिल कटारे,दीपेंद्र गुर्जर कृष्णा कुमार, सहित थाने का स्टाप मौजद रहा, थाना प्रभारी ने आमजन को जानकारी देते हुए बताया की मोबाइल पर आने वाले किसी भी लॉटरी, लोन या इनाम के फर्जी और संदिग्ध लिंक पर 'क्लिक' बिल्कुल न करें, अपने बैंक खाते की जानकारी, एटीएम पिन या मोबाइल पर आया ओटीपी किसी भी अनजान व्यक्ति को न बताएं। यदि कोई साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है, तो बिना समय गंवाए तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या नजदीकी थाने में सूचना दें।

चमन चौराहे और बस स्टैंड पर पुलिस ने लाउडस्पीकर और पम्पलेट्स के माध्यम से भी लोगों को सचेत किया। पुलिस का कहना है कि 8 जुलाई तक चलने वाले इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि क्षेत्र का हर नागरिक डिजिटल रूप से सुरक्षित और जागरूक बन सके।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 06 जुलाई 2026

बोइंग श्रेणी के विमानों की उड़ान की तैयारी

सिंहस्थ पूर्व उज्जैन में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट आकार लेगा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●सिंहस्थ पूर्व उज्जैन के दताना स्थित वर्तमान हवाई पट्टी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के एयरपोर्ट का आकार ले सकती है। यहां चार किलोमीटर लंबा रनवे बनाने का प्रस्ताव है जिस पर बोईंग सी-20 जैसे विमान भी उतर सकेंगे। जिला प्रशासन की ओर से एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया को इसका प्रस्ताव गया है। इसके लिए करीब 400 एकड़ भूमि का अधिगृहण किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के साथ अंतर्राष्ट्रीय कार्गो सुविधा के लिए प्रयास शुरू हो गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया को भेजे गए प्रशासनिक स्तर के प्रस्ताव ने अगर आकार लिया तो सिंहस्थ से पूर्व उज्जैन में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का हवाई अड्डा आकार लेगा और यहां बडे विमान भी उतर सकेंगे। पूर्व में यहां दताना-मताना हवाई पट्टी को एटीआर-72 जैसे छोटे विमानों के संचालन के अनुरूप विकसित किया जा रहा था, लेकिन जिला प्रशासन ने इसे और व्यापक रूप देते हुए शासन को संशोधित प्रस्ताव भेज दिया है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलते ही उज्जैन में अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के निर्माण का रास्ता साफ हो जाएगा।

सिंहस्थ-2028 में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप देने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत प्रशासन इस और तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इसके चलते उज्जैन-देवास मार्ग पर स्थित दताना-मताना क्षेत्र में प्रस्तावित एयरपोर्ट को लेकर सरकार और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के बीच 1 नवंबर 2025 को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर एमओयू साइन किया गया था। इस समझौते के तहत 45 करोड की प्रारंभिक राशि एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया को दी जा चुकी है। इसके बाद तकनीकी प्रक्रिया शुरू हुई और मिट्टी परीक्षण भी कराया गया। शुरुआती योजना के अनुसार रनवे 1800 मीटर का होना था, लेकिन अब इसे दोगुना कर 3600 मीटर करने का प्रस्ताव है, ताकि बोइंग सी-20 जैसे बड़े विमानों का संचालन संभव हो सके। इसके बनने से उज्जैन की इंदौर पर निर्भरता खत्म होगी और पर्यटन के साथ-साथ व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

- दताना-मताना इलाके में बनेगा एयरपोर्ट
- जमीन अधिग्रहण : करीब 400 एकड़
- रनवे लंबाई : 3600 से 4000मीटर

उज्जैन के दताना मताना में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हवाई अड्डे के विस्तार को लेकर भारतीय विमान प्राधिकरण नई दिल्ली के जनरल मैनेजर कॉर्पोरेट कम्यूनिकेशन संदीप झा ने बताया कि वर्ष 2047 तक देश में 400 एयरपोर्ट बनाए जाना हैं वर्तमान में देश में 164 एयरपोर्ट हैं। हाल ही में हमने कुछ एयरपोर्ट के शुभारंभ किए हैं। आगामी समय में उज्जैन को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का हवाई अड्डा देंगे। उज्जैन हमारे धार्मिक पर्यटन का बड़ा केंद्र है। उधर, राज्य शासन का प्रयास है कि अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के साथ उज्जैन में अंतर्राष्ट्रीय कार्गो भी शुरू किया जाए। उज्जैन इलाके में आ रही औद्योगिक इकाईयों के लिए यह कार्गो मददगार साबित होगा। एयरपोर्ट के लिए जमीन अधिग्रहण, मुआवजा और अन्य स्वीकृतियों के लिए मुख्यमंत्री सचिवालय और उज्जैन संभाग के बड़े अधिकारी सतत प्रयासरत हैं।

डॉ. मुखर्जी ने हमेशा राष्ट्रहित और विचारधारा के लिए लड़ाई लड़ी- पवन पाटीदार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती वर्ष पर आयोजित संस्मरण पखवाड़ा के अंतर्गत आज मनमोहन मेहता ऑडिटोरियम, संगीत कला अकादमी, अटल खेल परिसर के पास स्कीम नंबर 78 में भाजपा का जिला कार्यकर्ता सम्मेलन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके, पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, महेंद्र हार्डिया, मधु वर्मा की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री संपतिया उइके ने कहा श्यामा प्रसाद जी की जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में जिला सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। श्यामा प्रसाद जी ने कभी सिद्धांतों और विचारों से समझोता नहीं किया, देश की एकता अखंडता के लिए उन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। नेहरू जी की गलत नीतियों के चलते उन्होंने मंत्री मंडल से इस्तीफा देने के बाद जनसंघ की स्थापना की।

उन्होंने कहा जिन सिद्धांतों को लेकर डॉ मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना की थी, जनता पार्टी भी उनके सिद्धांतों को लेकर आगे बढ़ी लेकिन जनता पार्टी की टूट के बाद भाजपा का गठन हुआ तब भाजपा ने डॉ मुखर्जी के सिद्धांतों पर चलना तय किया, और आज भी भाजपा उनकी के सिद्धांतों को लेकर राष्ट्र की सेवा कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी केंद्र सरकार डॉ मुखर्जी के बताये पदचिन्हों पर चलकर गरीब कल्याण के लिए, युवाओं के कौशल को निखारने के लिए महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए, अन्नदाताओ को आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम कर रही हैं। पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार ने सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन पर कहा कि डॉक्टर मुखर्जी ने हमेशा राष्ट्रहित और विचारधारा के लिए लड़ाई लड़ी। प्रधानमंत्री नेहरू जी के मंत्रीमंडल से इस्तीफा देने की बात हो, नेहरू- लियाकत समझोता हो या फिर कश्मीर में धारा 370 लगाने की बात हो उन्होंने कभी भी अपने सिद्धांतों से समझोता नहीं किया। डॉ मुखर्जी ने बंगाल के विभाजन को रोकने में अहम भूमिका निभाई। कश्मीर में कोटा परमिट के खिलाफ यात्रा निकाली और राष्ट्र की एकता अखंडता के लिए दिल्ली से कश्मीर तक यात्रा निकाली। उन्होने कश्मीर और बंगाल के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी डॉ मुखर्जी के सपनों का भारत बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं, आत्मनिर्भर भारत के लिए हम सब जुट जाए।

कई राज्यों के अफसरों ने इंदौर में समझीं स्मार्ट मीटरिंग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पावर फाइनेंस कार्पोरेशन केंद्रीय विद्युत मंत्रालय नई दिल्ली के तत्वावधान में भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर में क्षमता वृद्धि की ट्रेनिंग के लिए आए विभिन्न राज्यों के बिजली अधिकारियों ने मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के पोलो ग्राउंड इंदौर स्थित स्मार्ट मीटर सेंट्रल कंट्रोल रूम का दौरा कर स्मार्ट मीटर परियोजना से संबंधित विस्तार से जानकारी ली। राज्यों के बिजली अधिकारियों का स्वागत स्मार्ट मीटर परियोजना निदेशक निर्मल शर्मा, अधीक्षण अभियंता श्रीमती कीर्ति सिंह, कंट्रोल सेंटर रूम प्रभारी नवीन गुप्ता आदि ने किया।

गुरुदेव के बढ़ते कदम इंदौर की ओर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● परमपूज्य निर्यापक मुनि श्री 108 श्री सुधासागरजी महाराज ससंघ का बिहार रुठयांई से बीनागज की ओर हुआ। सांसद के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि आज दिगंबर जैन समाजिक सांसद के शिरोमणि संरक्षक महेंद्र जैन के नेतृत्व में अध्यक्ष आनंद गोधा विजय पाटोदी आकाश कोल अक्षय कासलीवाल प्रिसपाल टोंग्या एवं गुरु भक्तों की टोली एवं इंदौर के अन्य मंदिरों के समाजजनो ने आज रुठयाई पहुंचे और वहां से बिनागज के लिए बिहार में सम्मिलित होकर मुनि संघ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

नवलखा कांटाफोड़ मंदिर से जुड़े 89 भक्तों की अमरनाथ यात्रा आज से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नवलखा स्थित मनकामेश्वर कांटाफोड़ शिव मंदिर के भक्तों के सहयोग से करीब 16 मीट्रिक टन खाद्य सामग्री से भरा ट्रक प्रस्थित होने के बाद अब मंदिर से जुड़े श्रद्धालुओं का पहला जत्था सोमवार 6 जुलाई को इंदौर दिल्ली एक्सप्रेस से विधायक गोलू शुक्ला के आतिथ्य में अमरनाथ यात्रा के लिए प्रस्थित होगा। इस जत्थे में कुल 89 सदस्य जा रहे हैं। मन्दिर से रेलवे स्टेशन तक सभी भक्त एक पैदल यात्रा के रूप में ढोल ढमाकों सहित पहुंचेंगे, जहाँ उन्हें भावपूर्ण बिदाई दी जाएगी।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357,94245-83000

भोपाल की ताल के चौपाल से

मैडम पर किसका वरदहस्त, सैंयां जी कैसे बचे, पंडित जी का डायलॉग और माननीय का गुस्सा!

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के लोकप्रिय कॉलम बोल हरि बोल में जानिए मध्य प्रदेश की सियासत और ब्यूरोक्रेसी के बंद कमरों की इनसाइड स्टोरी, जहां आईएएस-एडीजी की बेचैनी और नेताओं के तेवर सुर्खियां बटोर रहे हैं। सत्ता और सिस्टम में हर हफ्ते बहुत कुछ ऐसा होता है, जो न प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुनाई देता है और न सरकारी विज्ञप्तियों में दिखाई देता है। कुछ चर्चाएं बंद कमरों से निकलकर सत्ता के गलियारों तक पहुंचती हैं तो कुछ कानाफूसियां सिस्टम में तैरने लगती हैं। कहीं किसी नेता का बयान सुर्खियां बटोरता है तो कहीं किसी अफसर के तेवर चर्चा का विषय बन जाते हैं। इनमें सत्ता के अंदर की हलचल है। अफसरशाही की अनकही कहानियां हैं और राजनीति के वे दिलचस्प मोड़ भी हैं, जिनकी चर्चा खुले मंचों से ज्यादा बंद कमरों में होती है।

सीईओ पर क्यों गुस्सा हो गए माननीय!

विंध्य की राजनीति में इन दिनों एक माननीय का बयान चर्चा बटोर रहा है। सेमरिया से कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा ने जिला पंचायत सीईओ मेहताब सिंह गुर्जर पर ऐसा हमला बोला है कि राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में इसकी गूंज सुनाई दे रही है। विधायक जी ने सीईओ पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए उनकी तुलना कुत्ते टॉमी से की है। उन्होंने कहा कि जैसे टॉमी हर प्लेट में मुंह मारता है, वैसे ही सीईओ भी हर काम में दखल दे रहे हैं। माननीय ने सीईओ को छोटी सोच वाला और टपोरी टाइप आदमी तक बता दिया। उन्होंने कहा कि वे मुख्यमंत्री से शिकायत करेंगे कि जिले में ऐसे अधिकारी की तैनाती क्यों की गई है? अब सत्ता के गलियारों में चर्चा इस बात की है कि आखिर विधायक और सीईओ के बीच ऐसा क्या हुआ कि मामला इस स्तर तक पहुंच गया।

उतरा खाकी का ओवर कॉन्फिडेंस

सूबे के मुखिया डॉक्टर साहब ने इस हफ्ते खाकी वाले बड़े साहबों का पुराना मुगालता दूर कर दिया है। जी हां, सही पढ़ा आपने। अब पुलिस मुख्यालय और गृह विभाग दो अलग-अलग सत्ता केंद्र नहीं हैं। पुलिस मुख्यालय को अपनी सीमाएं समझनी होंगी और हर बड़ा फैसला गृह विभाग के दायरे में ही रहेगा। दरअसल, पिछले कुछ महीनों से दोनों विभागों के बीच कोल्ड वॉर चल रहा था। पुलिस मुख्यालय ने कई मामलों में अपने अधिकार क्षेत्र से आगे बढ़कर फैसले कर लिए थे, जिस पर गृह विभाग ने लाल झंडी दिखा दी। बात जब मुख्यमंत्री तक पहुंची तो कुछ अफसरों ने पुलिस मुख्यालय को और ज्यादा अधिकार देने की पैरवी भी कर डाली, पर डॉक्टर साहब ने दो टूक कहा कि सरकार में सुपर पावर जैसी कोई व्यवस्था नहीं होती। अब खाकी के गलियारों में चर्चा है कि डॉक्टर साहब ने ये संदेश सिर्फ एक बैठक के लिए नहीं, आने वाले दिनों के लिए भी दिया है।

एडीजी साहब की बढ़ती बेचैनी

पुलिस मुख्यालय के सबसे ताकतवर माने जाने वाले एडीजी साहब इन दिनों परेशान चल रहे हैं, इसकी वजह भी दिलचस्प है। दरअसल, इन साहब ने अधिकारों की सीमा लांघते हुए विभाग को करीब डेढ़ करोड़ रुपए के सॉफ्टवेयर की खरीद करा डाली। असली मुश्किल तब शुरू हुई, जब इस खरीदी के अनुमोदन के लिए फाइल गृह विभाग पहुंची। बस फिर क्या था... मंत्रालय के आईएएस अफसरों ने फाइल ऐसी परखी कि लाल पेन से पूरा दस्तावेज रंग दिया। इस मामले में गृह और वित्त विभाग दोनों ने पीएचक्यू के सामने सवालों की झड़ी लगा दी। अब फाइल अटक गई है। उधर, एडीजी साहब की सेवानिवृत्ति भी करीब है। यदि उनके रहते मामला नहीं निपटा तो वित्तीय अधिकारों के दुरुपयोग की विभागीय जांच तक की नौबत आ सकती है। यही वजह है कि खाकी बिरादरी इस फाइल को मुख्यमंत्री से हरी झंडी दिलाने की कोशिश में जुटी है, लेकिन फिलहाल फाइल अपनी जगह अड़ी है और अफसरों की सांसें अटकी हैं।

मैडम पर आखिर किसका सुरक्षा कवच?

मंत्रालय में इन दिनों एक और चर्चा गर्म है। सवाल यह है कि आखिर एक वरिष्ठ महिला आईएएस अधिकारी पर इतनी मेहरबानी किसकी है? मुख्यमंत्री ने हाल ही में ए-प्लस नोटशीटों में लापरवाही पर कई अफसरों की जमकर क्लास लगाई, लेकिन सबसे ज्यादा लंबित मामलों वाले विभाग की जिम्मेदार मैडम बैठक से भी बच गईं और सवालों से भी। स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर वे बैठक में नहीं पहुंचीं, लेकिन उनके विभाग पर अपेक्षित सख्ती भी नहीं दिखी। अब मंत्रालय में यही चर्चा है कि आखिर यह सुरक्षा कवच आया कहां से? हालांकि मैडम अपनी बेबाक कार्यशैली के लिए पहले से मशहूर हैं, लेकिन इस बार चर्चा उनकी बेबाकी से ज्यादा बैकिंग की हो रही है। अब देखते जाइए, आगे आगे होता है क्या?

बच गए मैडम के सैंयां

मंत्रालय की एक डिप्टी सेक्रेटरी मैडम इन दिनों भगवान का विशेष धन्यवाद कर रही हैं। वजह यह है कि संकट उनके दरवाजे तक आ गया था, लेकिन अंदर दाखिल नहीं हो पाया। कहानी यह है कि मैडम के पास एक जिला कार्यालय का अतिरिक्त प्रभार है। चर्चा है कि उनके अतिरिक्त प्रभार वाले कार्यालय में काम करवाने का रास्ता सीधे दफ्तर से नहीं, बल्कि सैंयां जी से होकर गुजरता था और बीच में विभाग का एक रिटायर्ड अधिकारी सेतु का काम करता था। लेन-देन के मामले को लेकर जब एक व्यापारी परेशान हुआ तो उसने जांच एजेंसी से हाथ मिला लिया। इसके बाद मैडम को ट्रैप करने के लिए जाल बिछ गया। लेकिन किस्मत देखिए, जिस दिन रकम का लेन-देन होना था, उस दिन सैंयां जी किसी और काम से बाहर थे। उन्होंने अपने भरोसेमंद रिटायर्ड अधिकारी को जिम्मेदारी सौंप दी। नतीजा यह हुआ कि रिटायर्ड अधिकारी के हाथ में जैसे ही नोटों की गड्डी आई, जांच एजेंसी ने रंगे हाथों उसे पकड़ लिया। अब मैडम ने सैंयां जी को सख्त हिदायत दे दी है कि फिलहाल कार्यालय के किसी भी कर्मचारी या अधिकारी से कोई संपर्क नहीं रखा जाएगा। आखिर संकट टला है तो सावधानी भी जरूरी है। फिर भगवान भी बार-बार मौका नहीं देते।

मंत्रीजी का ऐसा रौब?

मोहन सरकार के एक मंत्रीजी का विभाग इन दिनों उनके गुस्से से ज्यादा चर्चा में है। अफसर बताते हैं कि बैठक में यदि मंत्रीजी का पारा चढ़ गया तो फिर शब्दों की मर्यादा भी साथ छोड़ देती है। अपशब्दों से लेकर मां-बहन की गालियां तक सुनने की नौबत आ जाती है। इतना ही नहीं, विभाग में ऐसा माहौल बना दिया गया है कि अफसरों को लगता है मंत्रीजी की इच्छा ही अंतिम आदेश है। चाहे तबादले हों या करोड़ों के विवादित टेंडर, मंत्रीजी की मर्जी के आगे किसी की नहीं चली। कई मामलों में तो उन्होंने यह संदेश भी दे दिया कि उनकी बात न मुख्यमंत्री रोकेंगे और न ही मुख्य सचिव। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री के करीबी राजनीतिक सलाहकारों तक विभाग की पूरी कहानी पहुंच गई है। कहा जा रहा है कि जल्द ही मंत्रीजी के आभामंडल की असली चमक मुख्यमंत्री के सामने भी रखी जाएगी। इसके बाद देखना होगा कि विभाग में मंत्रीजी का रौब चलेगा या सरकार के नियम?

क्या आएंगे लौटकर पंडित जी?

समंदर का पानी उतरता देख किनारे पर घर मत बना लेना... मैं लौटकर आऊंगा, ये वादा है। जोश से भर देने वाली ये पंक्तियां पूर्व गृह मंत्री पंडित जी की हैं। दतिया विधानसभा चुनाव में हार के बाद उन्होंने ये लाइनें कही थीं। तब इसका वीडियो खूब वायरल हुआ था, अब ये लाइनें फिर बाजार में आ गई हैं। अब सवाल यही है कि क्या बीजेपी नरोत्तम मिश्रा को दतिया उपचुनाव में उतारेगी या किसी और की किस्मत चमकेगी दतिया में उपचुनाव के ऐलान से पहले से ही नरोत्तम मिश्रा खासे सक्रिय हैं। सूत्रों के मुताबिक, अब उन्होंने रूठे हुए स्थानीय नेताओं को मनाने की कवायद भी शुरू कर दी है। एक कार्यक्रम में मिश्रा ने कहा कि यदि उनसे कोई गलती हुई है तो उसे सुधारेंगे। कार्य, व्यवहार, आचार और विचार में बदलाव लाकर पूरी ईमानदारी से जनता के बीच जाएंगे। इस तरह पंडित जी किला लड़ाने के लिए तैयार हैं, बस बीजेपी की हरी झंडी का इंतजार है। आगे आगे देखिए, होता है क्या?

सुरक्षा खामियों पर कोचिंग संस्थानों को अंतिम चेतावनी

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ●देशभर में कोचिंग संस्थानों में हुई दुर्घटनाओं के बाद देवास नगर निगम ने सतर्कता दिखाते हुए शहर के कई कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान सुरक्षा मानकों में कई खामियां सामने आईं। नगर निगम ने चेतावनी दी कि यदि दो दिन के भीतर सभी कमियां दूर नहीं की गईं, तो संबंधित कोचिंग संस्थानों को सील करने की कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम की टीम ने शुक्रवार को विद्या कोचिंग, पार्थ कोचिंग और वर्मा कोचिंग क्लासेस का निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई संस्थानों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी पाई गई। इनमें फायर और इलेक्ट्रिकल ऑडिट न होना भी शामिल था। सबसे गंभीर खामी आपातकालीन निकासी व्यवस्था में मिली। कई संस्थानों में एग्जिट के रास्ते बंद थे और उनमें कबाड़ रखा हुआ था। ऐसी स्थिति में किसी भी आपातकाल में छात्रों को सुरक्षित बाहर निकालना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि कुछ संस्थानों में सीसीटीवी कैमरों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी।

सम्पादकीय

इंस्टाग्राम पर बढ़ रहा बाल यौन शोषण, साइबर अपराध पर सख्त कार्रवाई क्यों जरूरी है?

इंटरनेट की दुनिया ने इंसानी समाज के लिए बहुस्तरीय सुविधाएं मुहैया कराई हैं और इसकी उपयोगिता को देखते हुए ही इसका दायरा फैल रहा है। इंटरनेट की दुनिया में अनेक स्तर पर लोगों के ठगी का शिकार होने से लेकर 'डिजिटल अरेस्ट' और अन्य गंभीर अपराधों के फैलते जाल ने वैश्विक स्तर पर एक जटिल चुनौती पेश की है। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि जो तकनीक लोगों के जीवन-स्तर को बेहतर बनाने, उनकी समझ का विस्तार करने के काम में आनी चाहिए थी, वह अब कुंठित और आपराधिक मानसिकता के लोगों के लिए एक कारगर औजार बन रही है। ताजा विवाद सोशल मीडिया के एक लोकप्रिय मंच 'इंस्टाग्राम' से जुड़ा है, जिस पर पैसे लेकर ऐसे विज्ञापन दिखाने का आरोप है, जिसके जरिए बच्चे-बच्चियों के यौन शोषण की सामग्री का प्रसार हो रहा है। यही नहीं, उपयोगकर्ताओं को बच्चों के यौन शोषण के वीडियो मामूली खर्च पर खरीदने के लिए ऑनलाइन संपर्क भी दिए जा रहे हैं। सवाल है कि अगर इस तरह की आपराधिक गतिविधियां व्यापक पहुंच रखने वाले एक लोकप्रिय सोशल मीडिया मंच पर चलाई जा रही हैं, तो इसके पीछे कौन लोग हैं और उन्हें बिना बाधा के यह सब करने की छूट और सुविधा कौन मुहैया करा रहा है। क्या 'इंस्टाग्राम' और उसकी संचालक कंपनी 'मेटा' की इसके लिए सीधी जिम्मेदारी नहीं बनती कि वह अपने मंच पर आपराधिक हरकतों को फलने-फूलने की जगह दे रही है? यह बेवजह नहीं है कि सरकार ने बाल यौन शोषण से जुड़ी सामग्री को बढ़ावा देने वाले इंस्टाग्राम विज्ञापनों के मामले में मेटा को तलब करने का निर्देश दिया है। हाल ही में सरकार ने मेटा के ही स्वामित्व वाले वाट्सऐप को उसकी नई उपयोगकर्ता सुविधा के मामले में नोटिस भेजा था, जिसमें नाम छिपाकर बात करने की छूट दी गई है। कहने को सोशल मीडिया के मंचों के अपने नियम-कायदे या दिशानिर्देश होते हैं, जिनके तहत वे आपत्तिजनक सामग्री को हटा देते हैं। मगर ऐसा लगता है कि 'आपत्तिजनक सामग्री' की परिभाषा ये कंपनियां अपनी सुविधा और एजंडे के मुताबिक तय करती हैं। वरना सामाजिक और कानूनी तौर पर भी अपराध के दायरे में मानी जाने वाली अश्लील और बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के खिलाफ सख्ती और उन पर पूरी तरह रोक लगाने को लेकर वे उदासीन क्यों रहती हैं? ऐसे में यह क्यों नहीं माना जाए कि वे आपत्तिजनक सामग्री को प्रसारित करने के जरिए सिर्फ अपनी कमाई सुनिश्चित करती हैं और प्रकारांतर से वे भी ऐसी हरकतों की भागीदार होती हैं? यह ध्यान रखने की जरूरत है कि इंस्टाग्राम पर विज्ञापन तभी जारी होते हैं, जब उसके मातहत काम करने वाले तंत्र की बेहद आधुनिक तकनीक उसे सही बताती है।

क्या यह विश्व इतिहास का सबसे बड़ा अंतिम संस्कार हो सकता है?

वैश्विक स्तरपर मध्य-पूर्व का इतिहास केवल युद्धों,तेल,परमाणु कार्यक्रमों और कूटनीतिक संघर्षों से नहीं लिखा गया है, बल्कि ऐसे प्रतीकात्मक आयोजनों से भी लिखा गया है जिन्होंने आने वाली पीढ़ियों की राजनीति और जनमानस को प्रभावित किया। 28 फरवरी 2026 को ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का अंतिम संस्कार ऐसा ही एक आयोजन बनता दिखाई दे रहा है। फरवरी में हुए अमेरिकी-इजरायली हमले में उनकी मृत्यु के बाद सुरक्षा कारणों से अंतिम संस्कार तत्काल नहीं किया जा सका और उसे कई महीनों के लिए स्थगित करना पड़ा। अब जुलाई में शुरू हुई बहु-दिवसीय अंतिम यात्रा को ईरानी नेतृत्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, शहादत, प्रतिरोध और राजनीतिक संदेश के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। अनेक अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों के अनुसार अंतिम यात्रा तेहरान से शुरू होकर विभिन्न धार्मिक स्थलों से गुजरते हुए 9 जुलाई को मशहद में दफ़न के साथ पूरी होगी। ईरानी सरकारी मीडिया और कई अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में इसे फनरल ऑफ़ द सेंचुरी यानें शताब्दी का अंतिम संस्कार कहा जा रहा है। आयोजकों का दावा है कि पूरे कार्यक्रम में करोड़ों लोग शामिल हो सकते हैं, जबकि स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय एजेंसियाँ अभी केवल लाखों से करोड़ों तक की संभावित भीड़ का उल्लेख कर रही हैं और अंतिम संख्या की पुष्टि बाद में होने की बात कह रही हैं। कुछ रिपोर्टों में 1.5 से 2 करोड़ तथा कुछ में इससे भी अधिक उपस्थिति का अनुमान लगाया गया है, किंतु इन आँकड़ों की सटीकता से स्वतंत्र पुष्टि अभी शेष है। हालांकि यह पूरी जानकारी मीडिया से उठाई गई है। अगर हम चार महीने तक सुरक्षित रखा गया पार्थिव शरीर,शिया परंपरा और अभूतपूर्व राष्ट्रीय तैयारी को समझने की करें तो,इस पूरे आयोजन का सबसे असाधारण पक्ष यह है कि अयातुल्ला खामेनेई और उनके परिवार के 4 अन्य दिवंगत सदस्यों के पार्थिव शरीरों को लगभग चार महीने तक संरक्षित रखा गया। सामान्य इस्लामी परंपरा में मृत्यु के बाद शीघ्र दफ़न को सर्वोत्तम माना जाता है, लेकिन युद्ध, बड़े सुरक्षा संकट या अन्य असाधारण परिस्थितियों में विलंब की अनुमति दी जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस अवधि में शवों को रासायनिक संरक्षण (एम्बामिंग) के बजाय नियंत्रित तापमान वाले रेफ्रिजरेटेड कोल्ड स्टोरेज में रखा गया होगा, ताकि धार्मिक मान्यताओं का सम्मान बना रहे। युद्धकालीन परिस्थितियों के कारण अंतिम संस्कार टालना केवल धार्मिक निर्णय नहीं था,बल्कि एक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति भी थी। ईरान को आशंका थी कि यदि युद्ध के दौरान इतने बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किए

गए तो दुश्मन देश या आतंकी संगठन भीड़ या शीर्ष नेतृत्व को निशाना बना सकते हैं। इसी कारण अंतिम संस्कार तब तक स्थगित रखा गया जब तक व्यापक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित नहीं हो गई। तेहरान में शुरू हुए इस शोक समारोह के लिए राजधानी को अभूतपूर्व सुरक्षा घेरे में बदल दिया गया है। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार सेना, पुलिस, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स,स्वयंसेवी संगठन और प्रशासनिक तंत्र को संयुक्त रूप से तैनात किया गया है। संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई गई है और कुछ अवधियों के लिए हवाई क्षेत्र पर भी विशेष नियंत्रण रखा गया है। सोशल मीडिया और कुछ समाचार माध्यमों में पाँच करोड़ रोटियाँ, हजारों जल-छिड़काव केंद्र, सैकड़ों पार्किंग स्थल और करोड़ों श्रद्धालुओं जैसी तैयारियों के दावे सामने आए हैं। हालांकि इन सभी विशिष्ट आँकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध नहीं है। इसलिए इन्हें ईरानी या अन्य मीडिया के दावों के रूप में ही देखा जाना चाहिए, न कि स्थापित तथ्य के रूप में। दूसरी ओर, यह स्पष्ट है कि आयोजन के पैमाने को देखते हुए भोजन,पेयजल, चिकित्सा सहायता,भीड़ नियंत्रण और परिवहन की सटीकता से व्यापक व्यवस्थाएँ की गई है। इस अंतिम यात्रा को केवल एक राज्य समारोह नहीं बल्कि शिया धार्मिक संस्कृति की निरंतरता के रूप में भी प्रस्तुत किया जा रहा है। शिया परंपरा में शहादत का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है और करबला की ऐतिहासिक स्मृति आज भी धार्मिक और राजनीतिक चेतना का आधार मानी जाती है। इसी कारण ईरानी नेतृत्व खामेनेई की मृत्यु को राष्ट्रीय प्रतिरोध और धार्मिक धैर्य के प्रतीक के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहा है।दूसरी ओर, यह भी सत्य है कि ईरान के भीतर सभी नागरिक इस आयोजन को एक समान दृष्टि से नहीं देखते। निर्वासित विपक्षी समूह और कुछ आलोचक इसे राज्य- प्रायोजित राजनीतिक प्रदर्शन बताते हैं, जबकि समर्थकों के लिए यह राष्ट्रीय सम्मान और श्रद्धांजलि का अवसर है। इसलिए यह अंतिम संस्कार केवल शोक का नहीं, बल्कि ईरान के भीतर मौजूद राजनीतिक मतभेदों का भी दर्पण बन गया है। मुस्लिम देशों की प्रतिक्रिया: एकजुटता और व्यावहारिक राजनीति का मिश्रण को समझने की करें तो रिपोर्टों के अनुसार लगभग 30 देशों के प्रतिनिधिमंडलों के शामिल होने की संभावना जताई गई है। रूस, पाकिस्तान तथा क्षेत्र के कई देशों के प्रतिनिधियों के आने की खबरें हैं, जबकि अधिकांश पश्चिमी देशों की अनुपस्थिति भी चर्चा का विषय बनी हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि कईमुस्लिम और क्षेत्रीय देश ईरान के साथ संवाद बनाए रखना चाहते हैं, भले ही उनकी अपनी विदेश नीतियाँ अलग-अलग हों।क्या यह सचमुच विश्व इतिहास का सबसे बड़ा अंतिम संस्कार हो सकता है?इतिहास में अनेक विशाल अंतिम संस्कार हुए हैं, जिनमें 1989 में अयातुल्ला रुहोल्लाह खुमैनी का अंतिम संस्कार भी शामिल है, जिसमें लगभग एक करोड़ लोगों की उपस्थिति का व्यापक उल्लेख मिलता है। वर्तमान आयोजन के बारे में कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया है कि इसकी भीड़ उस रिकॉर्ड को भी पार कर सकती है। हालांकि अंतिम और स्वतंत्र रूप से सत्यापित आँकड़े उपलब्ध होने के बाद ही यह निश्चित रूप से कहा जा सकेगा कि यह वास्तव में विश्व का सबसे बड़ा अंतिम संस्कार था या नहीं।यह अंतिम संस्कार केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि मध्य-पूर्व की बदलती शक्ति-संरचना का भी प्रतीक माना जा रहा है। ईरान अपने समर्थक समूहों और सहयोगी देशों को यह संदेश देना चाहता है कि नेतृत्व परिवर्तन के बावजूद उसकी राजनीतिक और सैन्य संरचना कायम है। दूसरी ओर अमेरिका, इज़राइल और उनके सहयोगी इस पूरे घटनाक्रम पर कड़ी निगरानी रखे हुए हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि यह आयोजन भविष्य की वार्ताओं, क्षेत्रीय गठबंधनों और सुरक्षा समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। इस समारोह में विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के आने की भी खबरें हैं। चीन ने वरिष्ठ प्रतिनिधि भेजने की घोषणा की है, जबकि क्षेत्रीय सहयोगी देशों और कई धार्मिक प्रतिनिधि मंडलों की भागीदारी की भी सूचना है। भारत से भी कुछ सार्वजनिक हस्तियों के शामिल होने की मीडिया रिपोर्टें सामने आई हैं, हालांकि आधिकारिक भारतीय सरकारी प्रतिनिधित्व की प्रकृति अलग-अलग रिपोर्टों में भिन्न बताई गई है। इस प्रकार यह आयोजन केवल एक अंतिम संस्कार नहीं रह गया है; यह ईरान की आंतरिक राजनीति, शिया धार्मिक पहचान, राष्ट्रीय सुरक्षा, जन-समर्थन और वैश्विक कूटनीति का संगम बन गया है। आने वाले वर्षों में इतिहासकार संभवतः इसे केवल एक धार्मिक घटना नहीं बल्कि 21वीं सदी के सबसे प्रभावशाली राजनीतिक -प्रतीकात्मक आयोजनों में से एक के रूप में भी सटीकता से देखेंगे। अमेरिका पर प्रभाव: कूटनीतिक दबाव और नई रणनीतिक चुनौती को समझने की करें तो यदि अंतिम संस्कार में विशाल जनसमूह और अनेक देशों के प्रतिनिधि मंडल शामिल होते हैं,तो यह अमेरिका के लिए केवल एक शोक समारोह नहीं बल्कि एक राजनीतिक संदेश भी होगा।ईरान इस आयोजन को राष्ट्रीय एकता,प्रतिरोध और अपनी राज्य व्यवस्था की निरंतरता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। कई विश्लेषकों का मानना है कि तेहरान इस अवसर का उपयोग अमेरिका और उसके सहयोगियों पर मनोवैज्ञानिक तथा कूटनीतिक दबाव बनाने के लिए भी कर सकता है।

अगर हम भारत की भूमिका: संतुलित कूटनीति की परीक्षा को समझने की करें तो भारत के लिए ईरान एक महत्वपूर्ण ऊर्जा, संपर्क और क्षेत्रीय साझेदार है, वहीं अमेरिका भी उसका प्रमुख रणनीतिक सहयोगी है। इसलिए भारत की नीति परंपरागत रूप से संतुलन की रही है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार भारत से प्रतिनिधिमंडल और कुछ सार्वजनिक हस्तियों ने श्रद्धांजलि कार्यक्रमों में भाग लिया है, जबकि भारत आधिकारिक स्तर पर क्षेत्रीय शांति, संवाद और स्थिरता का समर्थन करता रहा है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे के यदि इस अंतिम संस्कार में वास्तव में अभूतपूर्व जनसमूह और व्यापक अंतरराष्ट्रीय भागीदारी दर्ज होती है, तो यह केवल एक नेता की विदाई नहीं बल्कि ईरान की राजनीतिक पहचान,शिया धार्मिक परंपरा और क्षेत्रीय प्रभाव का प्रदर्शन भी माना जाएगा।साथ ही, यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि भीड़ के आकार,भाग लेने वाले देशों की संख्या और आयोजन से जुड़े कई दावे अभी भी विभिन्न मीडिया रिपोर्टों और आधिकारिक बयानों पर आधारित हैं;इनके सभी पहलुओं की स्वतंत्र पुष्टि समय के साथ अधिक स्पष्ट होगी

-संकलनकर्ता लेखक - **एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी** गोंदिया, महाराष्ट्र

आंचलिक

नए तहसील भवन की खुली पोल, बारिश में कई जगह से टपकी छत

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● करीब 8 करोड़ रुपए की लागत से बने मूंदी के नए संयुक्त तहसील भवन की पहली ही बारिश में गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। भवन का लोकार्पण अप्रैल 2026 में हुआ था, लेकिन छह महीने भी पूरे नहीं हुए कि बारिश के दौरान छत से कई जगह पानी टपकने लगा। गलियारों और कमरों में पानी भरने से कर्मचारी और आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा रहा हैं। यह संयुक्त तहसील भवन मूंदी तहसील के 61 गांवों और 31 पटवारी हलकों की प्रशासनिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। भवन का निर्माण क्क्षु (परियोजना क्रियान्वयन एजेंसी) के माध्यम से कराया गया। निर्माण कार्य भोपाल की मेसर्स लक्ष्मी कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा किया गया था। पहली ही बारिश में छत से रिसाव होने

के बाद लोगों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद भवन पहली बारिश भी नहीं झेल सका।

यदि निर्माण के दौरान गुणवत्ता का बेहतर ध्यान रखा जाता और समय-समय पर निगरानी होती तो ऐसी स्थिति नहीं बनती। परियोजना क्रियान्वयन एजेंसी के कार्यपालन यंत्री एसके त्रिपाठी ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है। ठेकेदार को तत्काल रिसाव ठीक कराने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि निर्माण की गुणवत्ता में कोई कमी नहीं है। बारिश के दौरान छत पर कचरा जमा होने से पानी का निकास नहीं हो पाया, जिससे पानी रुक गया और कुछ स्थानों पर रिसाव होने लगा। उनके अनुसार, इसके अलावा भवन में कोई अन्य तकनीकी समस्या नहीं है। हालांकि, भवन के भीतर पानी टपकने और गलियारों में पानी भरने के वीडियो सामने आने के बाद लोगों के बीच निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल लगातार उठ रहे हैं।

फसल ऋण की अवधि बढ़कर एक साल हुई:जीरो ब्याज योजना से किसानों को राहत - महेंद्रसिंह यादव

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) के प्रशासक महेंद्रसिंह यादव ने केंद्र और राज्य सरकार द्वारा किसानों के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सहकारिता का उद्देश्य किसानों को समय पर ऋण, बैंकिंग सुविधाएं और शासन की योजनाओं का पारदर्शी लाभ उपलब्ध कराना है। महेंद्र सिंह यादव ने आगे बताया कि प्रदेश में सहकारी बैंकों के माध्यम से किसानों को आसान प्रक्रिया में कृषि ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), बचत खाते सहित विभिन्न बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए सहकारिता की भूमिका लगातार मजबूत की जा रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश शासन ने शून्य प्रतिशत ब्याज पर मिलने वाले अल्पावधि फसल ऋण की अवधि छह माह से बढ़ाकर एक वर्ष कर दी है, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। मंत्री ठाकुर ने यह भी कहा कि पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से अब मजदूरों और हितग्राहियों को मिलने वाली सहायता राशि सीधे डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से उनके बैंक खातों में भेजी जाएगी। साथ ही उन्होंने सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और 'जी-राम' पहल की जानकारी भी साझा की।

बजरंग दल ने लगाया निशुल्क मेडिकल कैंप, मरीजों का परीक्षण कर दवाइयां बांटी

दैनिक इंदौर संकेत

कुक्षी ● विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने 'सेवा सप्ताह' के तहत रविवार को ग्राम कापसी में एक नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में डॉ. रोशनी पाटीदार ने मरीजों की जांच की और उन्हें आवश्यक दवाइयां निशुल्क वितरित कीं। यह सेवा प्रकल्प 10 जुलाई तक जारी रहेगा। शिविर में कुक्षी नगर और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीजों ने पहुंचकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। यहां ब्लड शुगर, बीपी और अन्य परीक्षणों के लिए मशीनें उपलब्ध थीं। डॉ. रोशनी पाटीदार ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक परामर्श भी दिया। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड मंत्री मयुर सेन, जिला गोरक्षा प्रमुख कृष्णा भायल, प्रखंड सहमंत्री राम सेन, प्रखंड सह गोरक्षा प्रमुख अनिल मुकाती और बजरंग दल के गोरक्षा प्रमुख सतीश चौहान सहित संगठन के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने बताया कि 'सेवा सप्ताह' के अंतर्गत समाज हित और जन कल्याण के विभिन्न सेवा कार्य लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इस स्वास्थ्य शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन तक नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना और उन्हें बेहतर सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराना है।

ओंकारेश्वर पार्किंग ठेकेदार पर एफआईआर का मामला दबाया, जांच में गड़बड़ी मिली थी

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● ओंकारेश्वर में पार्किंग ठेके में घोटाले का मामला सामने आया था। पार्किंग की रसीदें कचरे में मिलने के बाद हड़कंप मचा तो प्रशासन ने जांच कराई। जांच के बाद तय हुआ कि ठेकेदार ने घोटाला किया है। रसीद कट्टे फर्जी तरीके से बनवाकर तीर्थयात्रियों से राशि वसूली गई। जांच कमेटी ने ठेकेदार के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाने की अनुशंसा कर दी। लेकिन 3 महीने बाद भी ठेकेदार के खिलाफ केस दर्ज नहीं हो पाया। पार्किंग ठेकेदार चंद्रशेखर उर्फ चेतन खंडेलवाल पर एफआईआर का मामला कागजी कार्रवाई में ही सिमटकर रह गया है। जांच कमेटी को बताने के लिए नगर परिषद ने एक आवेदन पुलिस थाने में दे दिया।

शिकायत की पावती उच्च अधिकारियों को दे दी। वहीं पुलिस ने शिकायत लेकर कार्रवाई करने की बजाय मामले को ही रफा-दफा कर दिया। अब पुलिस और परिषद के अधिकारी एक-दूसरे की गलती और लापरवाही बता रहे हैं। दरअसल, तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में प्रवेश करते ही वाहन वालों से पार्किंग टैक्स वसूला जाता है। तीर्थनगरी के प्रवेश द्वार पर ही वाहनों को रोककर उनसे राशि ली जाती है। टैक्स वसूली के लिए नगर निगम ने करोड़ों रूपए में इसका ठेका दे रखा है।

पिछले साल ओंकारेश्वर के जिस चंद्रशेखर उर्फ चेतन खंडेलवाल को ठेका दिया गया था, उसके ठेके के रसीद कट्टे डस्टबिन में मिले थे। मामले की जांच हुई तो एक बड़ा घोटाला उजागर हुआ। मामला अप्रैल महीने का है। तीन महीने के बाद भी कोई एक्शन नहीं लिया गया।

मामले में मांधाता टीआई अनोक सिंदिया का कहना है कि नगर परिषद की ओर से एफआईआर के लिए आवेदन मिला था। लेकिन पर्याप्त साक्ष्य नहीं थे, जो दस्तावेज दिए गए उनमें कितने रसीद कट्टे जब्त हुए थे। ठेकेदार कौन था, उसका नाम तक नहीं बताया गया। परिषद से दोबारा दस्तावेज मांगे तो उन्होंने दिए नहीं। अधूरे दस्तावेजों के आधार पर एफआईआर नहीं कर सकते थे। कोर्ट में पुलिस को जवाब देना पड़ता था।

सीएमओ बोलीं- पूरे दस्तावेज दिए, वो झूठ बोल रहे

नगर परिषद सीएमओ मोनिका पारधी का कहना है कि पार्किंग ठेके के मामले में अनियमितता के संबंध में जांच हुई थी। जांच कमेटी ने ठेकेदार के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाने की सिफारिश की थी। जांच प्रतिवेदन सहित सभी दस्तावेज पुलिस थाना मांधाता को दिए थे।
पारधी ने कहा कि शुरूआती शिकायत के कागजों में कुछ कमी रह गई थी, पुलिस ने जो दस्तावेज मांगे, वो सभी दिए गए। हमारे पास बकायदा इसकी पावती है। यदि टीआई हमारे स्तर पर कमी बता रहे है तो वह झूठ बोल रहे हैं।

ग्रामीणों ने 33 केवी लाइन के विरोध में दिया ज्ञापन, ठेकेदार पर मनमानी का आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

कुक्षी ● कुक्षी के पास ग्राम सुसारी में आदिवासी बस्ती से 33 केवी बिजली लाइन बिछाने का विरोध करते हुए ग्रामीणों ने कुक्षी थाने में ज्ञापन दिया। ग्रामीणों ने ठेकेदार पर मनमानी का आरोप लगाया है, जिसमें कहा गया है कि प्रस्तावित योजना के विपरीत लाइन बस्ती के बीच से डाली जा रही है। ज्ञापन में बताया गया कि 18.5 किलोमीटर की विद्युतीकरण कार्य योजना में 33 केवी लाइन आदिवासी बस्ती के पीछे से डाली जानी थी। इसके बावजूद, ठेकेदार कथित तौर पर भूमाफियाओं से साठगांठ कर मनमाने ढंग से लाइन को आदिवासी बस्ती के भीतर से डाल रहा है। किसान नेता राजेंद्र पाटीदार ने आरोप लगाया कि सुसारी हायर सेकेंडरी स्कूल से सब-स्टेशन तक 2 किलोमीटर की 33 केवी लाइन आबादी क्षेत्र की आदिवासी बस्ती से डाली जा रही है। जबकि कार्ययोजना में यह लाइन स्कूल के पीछे से किसानों के आम रास्ते से प्रस्तावित थी। उन्होंने ठेकेदार पर कॉलोनाइजरों को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं व्यक्त कीं। उन्होंने बताया कि बस्ती से 33 केवी लाइन गुजरने से आदिवासी मजदूर परिवारों के लिए बड़ा खतरा पैदा होगा। 33 केवी लाइन के 5 फीट के दायरे में भी करंट लगने की घटनाओं को देखते हुए भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना की आशंका है। तीन मोहल्लों की बस्तियों में घरों के ऊपर से गुजरने वाली यह लाइन कभी भी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

कुक्षी पीडब्ल्यूडी विभाग ने भी सड़क के शोल्डर पर खंभे गाड़ने पर आपत्ति जताई थी। विभाग ने कंपनी ठेकेदार को लिखित नोटिस जारी कर खंभे हटाने का निर्देश दिया था, लेकिन ठेकेदार ने इन निर्देशों की अनदेखी की।

डही के पास मालपुरा से सुसारी सब-स्टेशन तक 18.8 किलोमीटर की 33 केवी लाइन बिछाने का कार्य कोल्हापुर, महाराष्ट्र की लक्ष्मी इंजीनियरिंग सर्विसेज कंपनी कर रही है। मालपुर में नर्मदा का पानी खींचने के लिए पंप स्टेशन बनाए गए हैं।

स्मृति मंधाना प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवार्ड के लिए नॉमिनेट

दुबई (एजेंसी) ● ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी, इंग्लैंड की ओपनर डैनी व्याट-हॉज, भारत की स्मृति मंधाना और साउथ अफ्रीका की ऑलराउंडर मरिजनने कप को पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है। इन चारों खिलाड़ियों का प्रदर्शन टूर्नामेंट में शानदार रहा है। एलिसा पेरी और डैनी व्याट अपने शानदार खेल के बूते ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को फाइनल में पहुंचाने में सफल रही हैं। वहीं, मंधाना के दमदार प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम ग्रुप स्टेज में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गई। कैप ने बढिया प्रदर्शन करते हुए साउथ अफ्रीका को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। एलिस पेरी ने एक बार फिर आईसीसी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अब तक छह मैचों में 46.25 की औसत से 185 रन बनाए हैं और गेंदबाजी में चार विकेट भी निकाले हैं। ऑस्ट्रेलिया के फाइनल तक अजेय सफर के दौरान पेरी को तीन बार प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

यूरोप चरण में अच्छे प्रदर्शन से विश्वकप के लिए हॉकी टीम का मनोबल बढ़ा : फुल्टन

बेंगलुरु (एजेंसी) ●भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा है कि एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2025-26 के यूरोप चरण में अच्छे प्रदर्शन से टीम का हौंसला बढ़ा है और अब आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों में जीत दर्ज करने के लिए तैयार है। कोच के अनुसार टीम सही समय पर लय में आई है और इसका लाभ उसे आगामी मुकाबलों में मिलेगा। साथ ही कहा कि वर्तमान में भारतयी टीम दुनिया की किसी भी मजबूत टीम को टककर दे सकती है। कोच ने कहा कि मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीदरलैंड्स को हराकर भारतीय टीम ने दिखाया है कि वह किसी से पीछे नहीं है। इससे टीम का आत्मविश्वास भी बढ़ा है। फुल्टन ने कहा, इस प्रो लीग अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि खिलाड़ियों का बढ़ा हुआ आत्मविश्वास है। जर्मनी और नीदरलैंड्स जैसी शीर्ष टीमों को हराना और इंग्लैंड के खिलाफ भी प्रभावशाली प्रदर्शन यह साबित करता है कि यदि हम अपनी रणनीति पर बने रहें तो हम दुनिया की किसी भी टीम को हरा सकते हैं। फुल्टन ने यह भी कहा किया कि टीम ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान दबावपूर्ण परिस्थितियों में असाधारण संयम

दिखाया और विभिन्न खेल स्थितियों के अनुसार खुद को सफलतापूर्वक ढालने की क्षमता विकसित की। उनके अनुसार, ये नई विकसित क्षमताएं ही विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों में भारत के लिए सबसे बड़ी ताकत साबित होंगी। वहीं भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने भी टीम के प्रदर्शन पर गहरा संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों के खिलाफ लगातार अच्छे परिणाम खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयों पर ले जा रहे हैं। हरमनप्रीत ने कहा, इस प्रो लीग अभियान से हमें काफी आत्मविश्वास मिला है। शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों को हराना हमेशा विशेष होता है, लेकिन उससे भी बड़ी बात यह है कि हमारी कड़ी मेहनत का फल अब मैदान पर साफ दिखाई देने लगा है।

ईशान बन सकते हैं बेहतर टेस्ट बल्लेबाज : श्रीकांत

नई दिल्ली (एजेंसी) ● पूर्व भारतीय कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि आक्रामक सलामी बल्लेबाज ईशान किशन एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बन सकते हैं पर उन्हें अवसर नहीं मिल रहा। श्रीकांत के अनुसार एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बनने के लिए जिस प्रकार का कौशल चाहिये वह इस बल्लेबाज में है पर फिर भी उसे अवसर नहीं मिल रहा। साथ ही कहा कि ये निराशाजन बात है कि एक काबिल खिलाड़ी टीम में जगह हासिल नहीं कर पा रहा। ये एक प्रकार से उसकी प्रतिभा के साथ अन्याय है।

गौरतलब है कि करीब दो साल तक राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बाद, किशन हाल ही में टी20 विश्वकप से टीम में वापसी करने में सफल रहे हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ 50-ओवर के प्रारुप में भी उन्होंने एक अच्छा शतक लगाया है। श्रीकांत के अनुसार उन्हें ईशान के खेलने का अंदाज अच्छा लगता है। इसी को देखते हुए इस पूर्व कप्तान का मानना है कि कि साल 2023 में कुछ टेस्ट मैच खेल चुके किशन टेस्ट में अवसर मिलने पर भी प्रभावित ही करेंगे। उन्होंने इस बल्लेबाज के खेल की सराहना करते हुए कहा, मैं ईशान किशन का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। उन्होंने अचानक वापसी की है और बहुत बढ़िया खेल रहे हैं। मुझे उनका खेल पसंद है। उनके स्ट्रोक खेलने का तरीका, टाइमिंग, पावर और आसानी से खेलने की क्षमता सब लाजवाब है। वह सभी प्रारुपों में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं पर उन्हें एक प्रारुप तक ही सीमित कर दिया गया है जो भारतीय क्रिकेट के लिए नुकसान देह रहेगा।

जी5 लेकर आया एक और दमदार और उद्देश्यपूर्ण कहानी

सतलज; दिलजीत दोसांझ अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म अब हिंदी जी5 पर स्ट्रीम हो रही है

मुंबई (एजेंसी) ● साहसिक, सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक और विचारोत्तेजक कहानियों को दर्शकों तक पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए ज़ी5 ने आज अपनी नई फिल्म सतलज का प्रीमियर किया। वास्तविक घटनाओं से प्रेरित यह भावनात्मक फिल्म केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि साहस, अपूरणीय क्षति और न्याय की अटूट तलाश की एक मार्मिक कहानी पेश करती है। हनी त्रेहान के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण ऋड्डक और मैकगफ़िन पिक्चर्स ने किया है। फिल्म में दिलजीत दोसांझ के साथ अर्जुन रामपाल, कंवलजीत सिंह, सुविंदर विक्की और गीतिका विद्या ओहल्यान प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे, यह फ़िल्म अब विशेष रूप से हिंदी ज़ी5 पर स्ट्रीम हो रही है। मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह के जीवन से प्रेरित सतलज एक ऐसे व्यक्ति की सच्चाई की अडिग खोज की कहानी है, जो भय, सत्ता और खामोशी के बीच भी न्याय की लड़ाई से पीछे नहीं हटता। संघर्ष और अशांति के दौर की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म हजारों रहस्यमय गुमशुदगियों की भयावह सच्चाई और अपने प्रियजनों के लिए न्याय की तलाश में भटकते परिवारों की असहनीय पीड़ा को संवेदनशीलता के साथ सामने लाती है। अपने मूल में, सतलज यह सशक्त संदेश देती है कि सबसे बड़ा साहस अक्सर वही होता है, जो उन व्यवस्थाओं को चुनौती देने का हौसला रखता है, जो सच को हमेशा के लिए दफन कर देना चाहते हैं। ऐसे समय में, जब दर्शक बेबाक, वास्तविक और दिल को छू लेने वाली कहानियों को पसंद कर रहे हैं, हिंदी ज़ी5 लगातार ऐसी कहानियां लेकर आ रहा है जो सोचने पर मजबूर करती हैं, सार्थक संवाद को बढ़ावा देती हैं और समाज पर गहरी छाप छोड़ती हैं। सतलज इसी प्रतिबद्धता का एक सशक्त

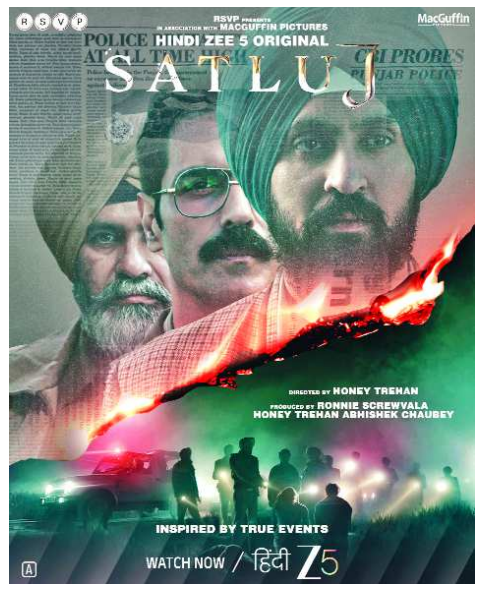

उदाहरण है—अपनी कहानी कहने के अंदाज़ में बेबाक, सच्चाई से कोई समझौता न करने वाली और जिसे नज़रअंदाज़ करना नामुमकिन है। सतलुज एक सामाजिक ड्रामा फिल्म है, जिसका लेखन और निर्देशन हनी त्रेहान ने किया है। इसका निर्माण रॉनी स्क्रूवाला, हनी त्रेहान और अभिषेक चौबे ने किया है तथा यह 3 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई।

फिल्म 'वेलकम टू दि जंगल' ने कॉमेडी की बारीकियां सिखाईं : दिशा

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री दिशा पाटनी का कहना है कि फिल्म वेलकम टू दि जंगल में काम करने के दौरान उन्होंने अक्षय कुमार, जॉनी लीवर और अरशद वारसी जैसे अनुभवी कलाकारों को देखकर कॉमेडी की बारीकियां सीखीं। दिशा ने कहा कि लोगों को हंसाना जितना आसान दिखाई देता है, उतना होता नहीं है। कॉमेडी सबसे कठिन शैलियों में से एक है और इसमें सब कुछ सहज तथा स्वाभाविक लगना सबसे बड़ी चुनौती होती है। उन्होंने कहा कि अक्षय कुमार, जॉनी लीवर और अरशद वारसी को काम करते देखना उनके लिए सीखने जैसा अनुभव रहा। दिशा ने कहा कि इतने बड़े कलाकारों की टीम का हिस्सा बनना उनके लिए यादगार अनुभव रहा। उन्हें कॉमेडी बेहद पसंद है और फिल्म का भव्य पैमाना उन्हें सबसे अधिक आकर्षित करता है। उन्होंने कहा कि एक कलाकार के तौर पर उनका ध्यान प्रतिस्पर्धा पर नहीं, बल्कि अपने किरदार के साथ ईमानदारी से न्याय करने पर रहता है। अपने अब तक के सफर पर बात करते हुए दिशा ने कहा कि एक अंतर्मुखी स्वभाव की होने के कारण खुद को दुनिया के सामने प्रस्तुत करना हमेशा आसान नहीं रहा, लेकिन हर चुनौती ने उन्हें और अधिक मजबूत, धैर्यवान तथा हर अवसर के प्रति आभारी बनाया है। दिशा ने कहा कि शांत, सरल और भावनात्मक रूप से जमीन से जुड़े किरदार उनके व्यक्तित्व के सबसे करीब हैं। उन्होंने भविष्य में मनोवैज्ञानिक थ्रिलर, गहन किरदार-प्रधान ड्रामा और एक्शन ड्रामा जैसी फिल्मों में काम करने की इच्छा भी जताई है।

उज्जैन संभाग

काल भैरव मंदिर को वीआईपी दर्शन से 3.09 करोड़ आय

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●काल भैरव मंदिर में शुरू की गई 500 की शीघ्र दर्शन (वीआईपी) टिकट व्यवस्था से 20 मई से 3 जुलाई के बीच 3 करोड़ 9 लाख 27 हजार रुपए की आय हुई है। मंदिर में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए यह व्यवस्था लागू की गई थी। मंदिर प्रबंधक संध्या मार्कंडेय ने बताया कि श्री महाकालेश्वर मंदिर के बाद सबसे अधिक श्रद्धालु काल भैरव मंदिर पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन कराने और भीड़ को व्यवस्थित रखने के उद्देश्य से 500 की शीघ्र दर्शन व्यवस्था शुरू की गई है। इस व्यवस्था में श्रद्धालुओं को अलग प्रवेश मार्ग से दर्शन कराए जाते हैं, जिससे सामान्य दर्शन व्यवस्था प्रभावित नहीं होती।

सामान्य दिनों में 5 लाख तक की आय

मंदिर प्रबंधन के अनुसार सामान्य दिनों में शीघ्र दर्शन टिकटों से प्रतिदिन लगभग 4 से 5 लाख रुपए की आय होती है। वहीं, भीड़ अधिक होने पर यह आंकड़ा 10 से 11 लाख रुपए तक पहुंच जाता है। आय पूरी तरह श्रद्धालुओं की संख्या पर निर्भर करती है।

सीमित क्षमता के कारण रोकना पड़ता है टिकट वितरण

मंदिर परिसर की सीमित क्षमता को देखते हुए वीआईपी टिकटों की संख्या भी नियंत्रित रखी जाती है। श्रद्धालुओं की संख्या अचानक बढ़ने पर कई बार आधे-आधे घंटे के लिए टिकट वितरण रोकना पड़ता है, ताकि परिसर में धक्का-मुक्की और अव्यवस्था की स्थिति न बने।

अवकाश वाले दिनों में रहती है सबसे ज्यादा भीड़

शनिवार, रविवार अन्य अवकाश के दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे समय में व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई बार शीघ्र दर्शन टिकटों का वितरण पूरी तरह बंद करना पड़ता है। पहले छुट्टियों में भी टिकट जारी किए जाते थे, लेकिन अत्यधिक भीड़ के कारण यह निर्णय लेना पड़ा। मंदिर प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि 20 मई से 3 जुलाई के बीच हुई 3.09 करोड़ की आय में वे दिन शामिल नहीं हैं, जब अत्यधिक भीड़ के कारण टिकट वितरण रोक दिया गया था।

प्रदेश के 24 जिलों पर मंडराया सूखे का खतरा, उज्जैन संभाग में सबसे ज्यादा संकट

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● मध्य प्रदेश में इस बार मानसून सामान्य से कमजोर रहने की आशंका के बीच राज्य सरकार अलर्ट मोड में आ गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के बाद सरकार ने 24 जिलों के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर ली है। सबसे अधिक चिंता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गृह संभाग उज्जैन को लेकर है, जहां वर्षा की कमी रहने की आशंका जताई गई है। सरकार ने इन जिलों में किसानों को कम पानी वाली फसलें अपनाने, वैकल्पिक बीज उपलब्ध कराने, सिंचाई और जल संरक्षण के इंतजाम बढ़ाने तथा जिला स्तर पर माइक्रो प्लान लागू करने की तैयारी कर ली है। राजस्व और कृषि विभाग ने सूखे जैसी स्थिति बनने से पहले ही राहत और बचाव की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। प्रदेश में इस बार सामान्य वर्षा का केवल 90 से 94 प्रतिशत होने का पूर्वानुमान दिया है। 1 जून से 1 जुलाई तक सामान्य 139.7 मिमी की तुलना में केवल 92.4 मिमी वर्षा हुई, यानी 47 मिमी की कमी दर्ज की गई।

मानसून के दूसरे चरण में भी बारिश सामान्य से कम रहने की संभावना जताई गई है। कई जिलों में पहले ही सामान्य से 20 से 60 प्रतिशत तक वर्षा घाटा दर्ज हो चुका है। यदि जुलाई और अगस्त में भी पर्याप्त बारिश नहीं हुई तो खरीफ फसलों के उत्पादन पर सीधा असर पड़ सकता है। सरकार ने संभावित सूखे से पहले ही कृषि और राजस्व विभाग को संयुक्त कार्ययोजना लागू करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत 24 जिलों के लिए विशेष एडवाइजरी तैयार की गई है। सात जिलों में विस्तृत माइक्रो प्लानिंग होगी और कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से लगातार तकनीकी निगरानी की जाएगी।

किसानों को मौसम के अनुसार खेती करने की सलाह मोबाइल, सोशल मीडिया और स्थानीय माध्यमों से दी जाएगी। जिला स्तर पर अधिकारियों को हालात की रोजाना समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार किसानों को कम अवधि और कम पानी वाली फसलें अपनाने की सलाह देगी। दलहन, तिलहन और मोटे अनाज का रकबा बढ़ाने पर जोर रहेगा। स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार, वैकल्पिक फसल चयन कराया जाएगा। रिज एंड फरो, रेज्ड बेड और डायरेक्ट सीडेड राइस जैसी वैज्ञानिक खेती तकनीकों को बढ़ावा दिया जाएगा ताकि कम पानी में भी उत्पादन प्रभावित न हो।

यातायात व्यवस्था होगी हाईटेक, सिंहस्थ व त्योहारों से पहले ट्रैफिक सुरक्षा बढ़ी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● आगामी सिंहस्थ और त्योहारी सीजन के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने यातायात व्यवस्था को लेकर व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। शहर में सुचारु और सुरक्षित ट्रैफिक संचालन के लिए लगभग 400 पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सिंहस्थ प्रशिक्षण के लिए लगभग 250 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों का बल उज्जैन को उपलब्ध कराया गया है। पहले से तैनात करीब 150 पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर अब कुल 400 पुलिसकर्मी यातायात व्यवस्था संभालेंगे। बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन के लिए पूरे शहर को 8 जोनों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक जोन में पुलिस अधिकारियों और जवानों की ड्यूटी लगाई गई है। प्रमुख चौराहों,

व्यस्त मार्गों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या जाम की स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। बाहर से आए पुलिसकर्मियों को उज्जैन शहर की भौगोलिक स्थिति, प्रमुख मार्गों, डायवर्जन प्लान और ट्रैफिक व्यवस्था की विशेष जानकारी दी जा रही है। उन्हें यह भी बताया जा रहा है कि किन क्षेत्रों में सबसे अधिक भीड़ रहती है और किस प्रकार यातायात संचालन करना है।

पुलिस का विशेष जोर ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन कराने पर रहेगा। जिन चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल लगे हैं, वहां वाहन चालकों को रेड लाइट पर रुकने और ग्रीन सिग्नल होने पर ही आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी। महाकाल लोक के बाद उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लाखों में लगातार बढ़ रही है, जो शहर की ट्रैफिक व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती है। पुलिस प्रशासन इस चुनौती से निपटने और यातायात को सुचारु बनाए रखने पर विशेष ध्यान दे रहा है।

श्रद्धालु से बैग छीनने की कोशिश, पुलिस के पीछा करने पर आरोपी नदी में कूदा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● महाकाल दर्शन करने आए एक श्रद्धालु से बैग छीनने का प्रयास विफल हो गया। शनिवार दोपहर नर्सिंग घाट ब्रिज पर हुई इस घटना में ट्रैफिक थाना प्रभारी इंद्रपाल सिंह की तत्परता से श्रद्धालु का बैग सुरक्षित बरामद कर लिया गया। आरोपी पुलिस का पीछा करते देख नदी में कूद गए। सुजालपुर निवासी पीड़ित रवि ने बताया कि वह उज्जैन में दर्शन के लिए आया था। नर्सिंग घाट ब्रिज पर एक युवक ने उसका बैग छीन लिया और भागने लगा। रवि द्वारा विरोध करने पर आरोपी ने मारपीट का प्रयास भी किया। इसी दौरान, वहां मौजूद ट्रैफिक थाना प्रभारी इंद्रपाल सिंह की नजर घटना पर पड़ी। वे यातायात व्यवस्था का निरीक्षण कर रहे थे। इंटरसेप्टर वाहन के पास मौजूद लोगों ने उन्हें बताया कि कुछ युवक यात्रियों का बैग छीनकर भाग रहे हैं।

सूचना मिलते ही टीआई सिंह ने तत्काल आरोपियों का पीछा शुरू किया। पुलिस को अपने पीछे आता देख आरोपी नदी की ओर भागे और नीचे कूद गए। भागने के दौरान एक आरोपी का कीपैड मोबाइल मौके पर गिर गया, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस ने जब्त किए गए मोबाइल के आधार पर आरोपियों की पहचान और लोकेशन ट्रेस करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस मामले की सूचना महाकाल पुलिस स्टेशन को दे दी गई है और आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद पुलिस ने श्रद्धालु का बैग सुरक्षित उसे वापस सौंप दिया। हालांकि, दिनदहाड़े हुई इस घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कांग्रेस का फोकस जेन जी

इंदौर में उठाए भर्ती घोटाले, भोपाल तक साइकिल रैली

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश कांग्रेस अब बीजेपी सरकार पर चरणबद्ध तरीके से हमले करेगी। फोकस जेन जी यानी युवा है। इसलिए सभी भर्ती घोटाले उठाए जाएंगे। साथ ही धर्म और किसान भी फोकस में हैं। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष शोभा ओझा ने रविवार, 05 जुलाई को इंदौर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें आगे की रणनीति का खुलासा करते हुए कहा कि अब चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। इसमें युवाओं के साथ ही मंदिर में चंदा चोरी, किसानों की परेशानी जैसे मुद्दे सबसे अहम होंगे। कॉन्फ्रेंस में जिलाध्यक्ष विपिन वानखेड़े, संतोष सिंह गौतम, अमित चौरसिया, सच सलूजा और आनंद कासलीवाल भी मौजूद थे। शोभा ओझा ने कहा कि जो भी घोटाला, भ्रष्टाचार करने वाला बीजेपी का दुपट्टा डाल लेता है, उन्हें बचाने के लिए वह जी-जान लगा देती है। छोटों को फंसाकर बड़ों को बचा लिया जाता है।

शोभा ओझा ने जेन जी के बाद किसानों का मुद्दा उठाया। कहा कि खाद के लिए हाहाकार मचा हुआ है। जिले में खाद नहीं है। इसकी ब्लैक मार्केटिंग हो रही है। टोकन राज चल रहा है और किसान मजबूर है। मूंग खरीदी में भी सरकार ने धोखा दिया है। खरीदी कोटा इस बार आधा कर दिया है।

कांग्रेस ने इसके साथ ही आस्था का मुद्दा उठाया और कहा कि राम मंदिर में करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के साथ धोखा दिया गया। करोड़ों की चंदा चोरी की गई। इसके पहले उज्जैन में महाकाल लोक घोटाला हुआ है।

जेन जी के लिए भर्ती घोटाला मुद्दा

ओझा ने कहा कि नीट में पेपर लीक हुआ। इसके पहले मप्र में व्यापमं घोटाले का कलंक रहा है और इसमें 58 मौतें हुई थीं। मप्र में पटवारी भर्ती घोटाला, नर्सिंग घोटाला, दिव्यांग फर्जी प्रमाण-पत्र घोटाला, वनरक्षक भर्ती घोटाला, पुलिस सिपाही भर्ती घोटाला जैसे कांड सामने आ चुके हैं। इससे लाखों छात्र प्रभावित हुए हैं। इसके लिए कांग्रेस छात्रों की गूंज अभियान चलाएगी। जिसमें यूनिवर्सिटी, कॉलेज में जाकर मुद्दे उठाए जाएंगे। युवा और छात्रों के साथ 14-15 जुलाई को इंदौर से भोपाल विशाल साइकिल रैली निकालेंगे।

बंगाल में हमने अष्टांग योग किया, एसआईआर के कारण अब कोई रण नहीं होगा-ज्ञानेश कुमार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार शनिवार को इंदौर आए। यहां उन्होंने बूथ लेवल आफिसर्स के साथ संवाद किया। इसमें सवालों के भी जवाब दिए। बात मुख्य तौर पर विशेष गहन पुनरीक्षण पर बात उठी। बंगाल चुनाव की भी बात हुई। भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार शनिवार दोपहर इंदौर पहुंचे। यहां अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई की नगरी में आना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में बीएलओ की प्रतिबद्धता और परिश्रम का महत्वपूर्ण योगदान है।

बीएलओ से संवाद कार्यक्रम के दौरान बात पश्चिम बंगाल की उठी। इस पर ज्ञानेश कुमार ने कहा कि वहां हमने अष्टांग योग किया। बंगाल में कोई भी किसी की जगह वोट डाल देता था, सुरक्षा बल के जाने में व्यवधान होता था, बैरिकेडिंग होती थी और कई समस्याएं थी। लेकिन इस बार हमने अष्टांग योग कर दिया और वहां अब ऐसी कोई समस्या नहीं है। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि देश में सफलतापूर्वक एसआईआर को लागू किया है। इसके कारण अब देश में रण नहीं होगा। इसे उन्होंने महाभारत के किस्से से सुनाया। कुमार ने कहा कि पांडव, कौरव के पास पांच गांव मांगने गए थे, लेकिन नहीं दिया तो महाभारत का रण हुआ। ऐसे ही हमने एसआईआर के जरिए पांच चीजों को मतदाता सूची में ठीक किया है, इसके चलते रण नहीं होगा। मतदाता सूची से अनुपस्थित मतदाता, मृत, ट्रांसफर, बाहरी लोगों को बाहर किया है, इसलिए अब रण नहीं होगा। एक बीएलओ ने ज्ञानेश कुमार से संवाद में सवाल पूछा कि आधार कार्ड को मतदाता सूची से लिंक क्यों नहीं किया गया। इस पर उन्होंने जवाब दिया कि आधार कार्ड नागरिकता का दस्तावेज नहीं है यह केवल पहचान का दस्तावेज है कि इनकी रेटिना ऐसी है, फिंगर प्रिंट ये हैं आदि। इसलिए इसे लिंक नहीं किया गया है।

मैंने कहा देखो भाईजान

ज्ञानेश कुमार ने एक जगह भाईजान शब्द का भी उपयोग किया। दरअसल बात एसआईआर को लेकर हो रही थी जिसे लेकर काफी आलोचना चली। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि जब हमने इसका फैसला लिया तो हर दिन कहीं ना कहीं मीडिया चैनल पर इसकी कोई आलोचना करता और कहता कि चुनाव आयोग को इसके अधिकार नहीं है। फिर मैंने अपने अधीनस्थों से कहा कि इन्हें आयोग बुलाओ और बताओ। वह आए और हमने कहा देखो भाईजान, फिर सारे नियम बताए। लेकिन थोड़े-थोड़े दिन में फिर कहीं ना कहीं से बात उठती। लेकिन हमने इसे सफलतापूर्वक करके दिखाया। इससे वोटिंग प्रतिशत भी बड़ा है। चाहे बिहार हो या बंगाल, हर जगह वोटिंग प्रतिशत में बढ़ोतरी हुई।

पोस्टेड आईपीएस सुनील मेहता छोड़ेंगे नौकरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में पदस्थ आईपीएस सुनील मेहता अब नौकरी छोड़ रहे हैं। इस संबंध में उन्होंने वीआरएस के लिए आवेदन दे दिया है। हालांकि अभी मुख्यालय से यह मंजूर नहीं हुआ है।

इंदौर में पदस्थ आईपीएस सुनील मेहता अब नौकरी छोड़कर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले रहे हैं। उन्होंने वीआरएस के लिए आवेदन दे दिया है। मेहता राज्य पुलिस सेवा से चयनित हुए और साल 2016 बैच के प्रमोटी आईपीएस बने थे। मई 2026 में ही वह इंदौर जोन 4 डीसीपी पद पर पदस्थ हुए। इसके पहले ग्रामीण इंदौर में एसपी पद पर थे।

व्यक्तिगत कारणों के चलते वीआरएस के लिए आवेदन किया है। इससे पहले, सिवनी एसपी सुनील मेहता के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्हें वर्ष 2023 में विशिष्ट सेवा के लिए इंडियन पुलिस मेडल से भी सम्मानित किया जा चुका है।

आईपीएस सुनील मेहता 1998 बैच के राज्य पुलिस सेवा अधिकारी डीएसपी है। पीएससी से चयनित हुए। बाद में आईपीएस पर पदोन्नत हुए और 2016 बैच के आईपीएस बने। इंदौर में पहले ट्रैफिक में एडिशनल एसपी रह चुके हैं। जून 2024 में सिवनी एसपी बने। बाद में इंदौर ग्रामीण एसपी बने और हाल ही में मई माह में इंदौर डीसीपी जोन 4 नियुक्त हुए थे। सिवनी हवाला कांड के दौरान एसपी पद पर मेहता ही थे। अक्टूबर 2025 में मप्र के चर्चित हवाला कांड में नौ पुलिसकर्मियों पर एक्शन हुआ था। आरोप लगे थे कि इनके द्वारा कटनी के हवाला कारोबारी से एक करोड़ 45 लाख की लूट की गई।

अधिकारियों की दादागीरी, वीवीआईपी पास नहीं बने तो एयरपोर्ट टर्मिनल मैनेजर, कर्मचारी को उठाया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के देवी अहिल्या एयरपोर्ट पर जिम्मेदार पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की अलग की दादागीरी देखने को मिली। वीवीआईपी पास नहीं बनने पर टर्मिनल मैनेजर और कर्मचारी को ही पुलिस से उठवा लिया गया।

इंदौर में वीवीआईपी पास न बनना प्रशासनिक अधिकारियों को अखर गया। हाल ही में नियमों में हुए बदलाव के कारण ये पास नहीं बन पाए थे। लेकिन इसके बदले में देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट के कर्मचारियों पर ही कार्रवाई कर दी गई। उन्हें उठाकर थाने ले जाया गया और फिर उच्च स्तर से हस्तक्षेप के बाद ही छोड़ा गया। यह विवाद एयरपोर्ट प्रशासन और जिला प्रशासन के बीच हुआ।

सीएम मोहन यादव के संभावित इंदौर दौरे के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के अधिकारी एयरपोर्ट पहुंचे थे। हालांकि बाद में सीएम का दौरा निरस्त हो गया था। इसी दौरान ड्यूटी पर मौजूद टर्मिनल मैनेजर मेघराम मीणा को वीआईपी एंट्री के लिए टर्मिनल एंट्री पास जारी करने को कहा गया। इस पर मीणा ने अधिकारियों को बताया कि ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी ऑफ इंडिया ने पास जारी करने की प्रक्रिया बदल दी है। जिससे वे अब इसके लिए अधिकृत नहीं हैं। इसका अधिकार अब मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुरेंद्र सिंह कौरव तथा सीनियर टर्मिनल मैनेजर सेठीलाल के पास है। इसी बात पर अधिकारियों के बीच विवाद काफी बढ़ गया। इसके बाद एक पुलिस अधिकारी ने टर्मिनल मैनेजर और 'मे आई हेल्प यू' काउंटर के एक कर्मचारी को एयरपोर्ट थाने ले जाने के निर्देश दे दिए।

नाराज हुए एयरपोर्ट अधिकारी

वहीं इस संबंध में एयरपोर्ट अधिकारियों का कहना है कि हमारे द्वारा केवल ब्यूरो के नियमों की जानकारी दी गई और पालन के लिए कहा गया था। इसमें ढील देना हमारे अधिकार में नहीं है। प्रशासन और पुलिस को भी इसमें सहयोग करना चाहिए ना कि दादागीरी।

मयंक बगानी 4.15 करोड़ की लग्जरी घड़ी के साथ गिरफ्तार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर की एक हजार करोड़ से ज्यादा के टर्नओवर वाली कंपनी शिवानी डिटरजेंट के डायरेक्टर मयंक बगानी लग्जरी घड़ी की तस्करी में घिर गए हैं। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उन्हें गिरफ्तार किया गया, फिर कोर्ट से जमानत हुई।

इंदौर के धनाड्य परिवार में से एक बगानी परिवार के सदस्य मयंक बगानी उलझ गए हैं। वह सिंगापुर से 4 करोड़ 15 लाख की लग्जरी कीमत की घड़ी लेकर आए, लेकिन इसकी जानकारी कस्टम को नहीं दी। इन्हें दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने चार करोड़ 15 लाख की लग्जरी घड़ी के साथ गिरफ्तार किया। हाल ही में पटियाला दिल्ली कोर्ट से 29 जून को उनकी सशर्त जमानत हुई है।

कस्टम विभाग द्वारा जिला कोर्ट दिल्ली में मामले की जानकारी दी गई। जानकारी के अनुसार मयंक बगानी के पास रिचर्ड मिल आरएम 35-03 राफेल नडाल मॉडल की घड़ी बरामद की गई।

यह घड़ी आरोपी मयंक से सिंगापुर से लौटते समय दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बरामद की गई। मयंक ने ग्रीन चैनल पार किया लेकिन घड़ी को लेकर घोषणा नहीं की गई। कस्टम विभाग ने दिल्ली कोर्ट में आगे की पूछताछ और जांच के लिए मयंक की कस्टडी भी मांगी थी।

इस संबंध में गिरफ्तारी प्रक्रिया में गई चूक (जैसे सोनम रघुवंशी केस में हुई) के चलते मयंक की जमानत मंजूर हो गई। मयंक के वकील ने कोर्ट में कहा कि गिरफ्तारी के 24 घंटे के भीतर कोर्ट में पेश करना था जो कस्टम विभाग ने नहीं किया। ना ही गिरफ्तारी के लिखित कारण बताए और ना ही परिजनों को सूचना दी गई। ऐसे में गिरफ्तारी प्रक्रिया का पूरा पालन नहीं करने पर एक लाख की जमानत पर मयंक की जमानत मंजूर हो गई।

मोरीवाला दरगाह की याचिका खारिज, हाईकोर्ट ने कास्ट भी लगाई, इंदौर कलेक्टर लेंगे रिमूवल पर फैसला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● माणिकबाग एरिया स्थित मोरीवाले बाबा दरगाह को लेकर दो साल से चल रहे विवाद में हाईकोर्ट ने अहम फैसला दिया है। इस मामले में यहां हुए निर्माण के अवैध होने और रिमूवल संबंधी फैसला कलेक्टर इंदौर द्वारा लिया जाएगा। इंदौर में माणिकबाग एरिया आईडीए स्कीम 44 में दो साल से मोरीवाले बाबा दरगाह को लेकर विवाद चल रहा है। इसमें हाईकोर्ट दो साल पहले ही रिमूवल संबंधी कार्रवाई के लिए नगर निगम को बोल चुका था। लेकिन बाद में निगम ने इसमें कलेक्टर के पाले में गेंद डाल दी।

इस जांच और कार्रवाई को रोकने के लिए वक्फ दरगाह ख्वाजा सुल्तान मोहम्मद चिश्ती मोरीवाले बाबा एक्टिंग प्रेसीडेंट इस्माइल खान द्वारा हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। जिसमें हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने सख्त फैसला दिया है। इस निर्माण की किसी एजेंसी से कोई मंजूरी नहीं है। इस पर हाईकोर्ट पहले ही निगम को 90 दिन में कार्रवाई को बोल चुका था। लेकिन निगम ने धर्मस्थल मामला होने के चलते कलेक्टर इंदौर के पास मामला भेज दिया।

रिमूवल के लिए होना है फैसला

यहां करीब चार हजार वर्गफीट जमीन का मामला है। जिसमें संबंधित दरगाह संचालकों का कहना था कि यह आईडीए से मिली जमीन है। साथ ही यह भी तर्क दिए गए कि यह वक्फ संपत्ति है। लेकिन हाईकोर्ट से लेकर अन्य एजेंसी के पास इस संबंध में कोई भी दस्तावेज पेश नहीं हुए। वहीं इस मामले में शिकायतकर्ता मनोज सोनी ने बताया कि यहां पार्किंग की तय जमीन पर दरगाह, मस्जिद और 14 दुकानें तानी गई। जिनका लाखों का किराया वसूला जा रहा है।

पातालपानी का विहंगम नजारा...

महू। मानसून की दस्तक के साथ ही पातालपानी का झरना अपने पूरे शबाब पर आ गया है। वीकेंड पर चारों ओर फैली हरी-भरी वादियों और पहाड़ों के बीच से तेजी से गिरते झरने का विहंगम नजारा देखने लायक रहा।

शहर की छह प्रमुख पार्किंगों के संचालन के लिए टेंडर जारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर पालिक निगम इंदौर के यातायात विभाग ने शहर की छह प्रमुख पार्किंग सुविधाओं के संचालन, रखरखाव और प्रबंधन के लिए ऑनलाइन ई-टेंडर जारी किए हैं। जारी निविदा के अनुसार सभी पार्किंगों का संचालन 5 वर्ष के लाइसेंस आधार पर निजी एजेंसियों को सौंपा जाएगा। निगम द्वारा जारी निविदा में पालिका प्लाजा फेज-1 और फेज-2 की बेसमेंट एवं सरफेस पार्किंग के साथ-साथ बजाज खाना चौक, फॉर्च्यून लैंडमार्क (स्कीम-54), रघुनाथ पेट्रोल पंप (स्कीम-54) तथा सत्या साई स्कूल के सामने स्थित मल्टीस्टोरी पार्किंग के संचालन एवं रखरखाव के लिए अलग-अलग टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। निविदा दस्तावेज के अनुसार विभिन्न पार्किंगों के लिए वार्षिक आरक्षित लाइसेंस शल्क 5 लाख रुपये से लेकर 40 लाख रुपये प्रति वर्ष तक निर्धारित किया गया है। सबसे अधिक 40 लाख रुपये प्रतिवर्ष का आरक्षित शुल्क स्कीम 54 स्थित रघुनाथ पेट्रोल पंप के पास बनी मल्टीस्टोरी पार्किंग के लिए रखा गया है, जबकि फॉर्च्यून लैंडमार्क पार्किंग के लिए 30 लाख रुपये, बजाज खाना चौक के लिए 26 लाख रुपये, पालिका प्लाजा फेज-2 के लिए 21.75 लाख रुपये, सत्य साई स्कूल के सामने पार्किंग के लिए 10 लाख रुपये और पालिका प्लाजा फेज-1 के लिए 5 लाख रुपये वार्षिक शुल्क निर्धारित किया गया है। निगम ने स्पष्ट किया है कि अनुबंध अवधि के दौरान प्रत्येक वर्ष लाइसेंस शुल्क में 5 प्रतिशत की वृद्धि लागू होगी निजी एजेंसियों के माध्यम से पार्किंग संचालन होने से वाहनों के सुव्यवस्थित प्रबंधन, बेहतर रखरखाव और नागरिकों को सुविधाजनक पार्किंग उपलब्ध कराने में मदद मिलने की उम्मीद है।

सर्वार्थ सिद्धि, अमृत सिद्धि और पुष्य नक्षत्र के संयोग में गुप्त नवरात्र 15 से

एक तिथि क्षय होने से आठ दिन होगी माता की भक्ति, बन रहे हैं कई विशेष योग भी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से गुप्त नवरात्रि का आरंभ होता है। इस दौरान देवी की दस महाविद्याओं की साधना की जाती है। पूरे वर्ष में दो गुप्त नवरात्रि एक माघ मास और एक आषाढ़ में आती है। जिसमें तांत्रिक, अघोरी तंत्र मंत्र और सिद्धि प्राप्त करते हैं। मान्यता है कि इस दौरान देवी की साधना करने से अत्यंत विशेष फल की प्राप्ति होती है। इस बार अषाढ़ी गुप्त नवरात्र की शुरुआत 15 जुलाई से होगी और यह 22 जुलाई तक 8 दिन चलेगा। इस गुप्त नवरात्र में एक दिन चतुर्थी तिथि का क्षय हो रहा है। वहीं नवरात्र के दौरान कई विशेष बोग भी बन रहे हैं।

गौरतलब है कि पूरे साल में कुल 4 नवरात्रि आती हैं जिनमें दो गुप्त नवरात्रि होती है। इनमें एक आषाढ़ में और एक माघ माह में आती है। ये दिन तंत्र मंत्र के साधकों के लिए बेहद विशेष और महत्वपूर्ण होते हैं। इस बार आषाढ़ गुप्त नवरात्रि का 15 जुलाई, बुधवार से प्रारंभ हो रही है। यूं तो आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा तिथि का आरंभ 14 जुलाई की दोपहर के 3 बजकर 14 मिनट पर होगा, जो 15 जुलाई को सुबह 11 बजकर 52 मिनट कर व्याप्त रहेगी। उदया तिथि के कारण 15 जुलाई से ही आषाढ़ गुप्त नवरात्रि की शुरुआत मानी जाएगी। इस दिन अमृत सिद्धि योग, सवार्थ सिद्धि योग, चंद्रमा का स्थिर राशि में होना और पुष्य नक्षत्र का संयोग बनेगा। वहीं, 22 जुलाई, बुधवार के दिन भड़ली नवमी तिथि के साथ ही आषाढ़ गुप्त नवरात्रि का समापन होगा।

देवी मंदिरों में होंगे विशेष आयोजन-गुप्त नवरात्र के दौरान शहर के बिजासन माता मंदिर, अन्नपूर्णा माता मंदिर और हरसिद्धि माता मंदिर सहित सभी देवी मंदिरों में विशेष आयोजन होंगे। सभी मंदिरों में महाआरती के साथ दुर्गा सप्तशती का पाठ भी किया जाएगा। माता को रोज विशेष श्रृंगार होगा। गुप्त नवरात्र के दौरान तंत्र साधना करने वाले साधक दशमहाविद्याओं की साधना करते हैं। देवी की दस महाविद्याएं कमलात्मिका, तारा, बगलामुखी, काली, त्रिपुर सुंदरी, धूमावती, भैरवी, भुवनेश्वरी, मातंगी, छिन्नमस्ता हैं। इस दौरान नाम जाप सहित कई अनुष्ठान भी किए जाते हैं। जिससे साधकों की आध्यात्मिक उन्नति होती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।